संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 212
पृष्ठ 8
बुधवार
23 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं...

विचार- चीन के बाद अब बांग्लादेश का रूख...

खेल- गुजरात टाइटंस ने केकेआर को...

यूपीएससी के नतीजे घोषित

● प्रयागराज की शक्ति दुबे बनीं टॉपर, दूसरे नंबर पर हर्षिता गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2024 के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। शक्ति दुबे यूपीएससी सीएसई 2024 के टॉपर बने हैं, दूसरे स्थान पर हर्षिता गोयल और तीसरे स्थान पर डोंगरे अर्चित पराग हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह 'ए' और 'बी') सहित प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए कुल 1,009 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है। जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी, वे अपना परिणाम यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। शक्ति दुबे ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातक (विज्ञान स्नातक) किया है। आयोग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से बी.कॉम की डिग्री प्राप्त हर्षिता गोयल ने राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में रखते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। डोंगरे अर्चित पराग, जिन्होंने वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक) की डिग्री प्राप्त की है, दर्शनशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में रखते हुए तीसरे स्थान पर रहे। गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त शाह मार्गी चिराग ने समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर चौथा स्थान हासिल किया है।

जीप नदी में गिरी, आठ की मौत, छह अन्य गंभीर धायल

दमोह, एजेंसी। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के नोहटा थाना क्षेत्र में आज एक जीप के नदी में गिरने के कारण उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गयी और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार सिमरी गांव के समीप एक जीप सुनार नदी के पुल पर से अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस वजह से उसमें सवार एक बालिका समेत आठ लोगों की मौत हो गयी। गंभीर रूप से घायल छह यात्रियों को यहां जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर और पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों का इलाज किया जा रहा है। जीप में सवार व्यक्ति पड़ोसी जबलपुर जिले के निवासी बताए गए हैं।

पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला

रिसॉर्ट को बनाया गया निशाना, कई पर्यटक घायल

श्रीनगर, एजेंसी। मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में एक रिसॉर्ट में आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम छह पर्यटक घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस पहलगाम पर्यटन शहर के बैसरन मैदान में गोलीबारी की आवाज सुनने के बाद पहुंच गई है। तलाशी अभियान भी चल रहा है। सेना के अधिकारी भी घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी की कोई खबर नहीं है। आगे की जानकारी का इंतजार है। एक महिला ने बताया कि मेरे पति को सिर में गोली लगी है, जबकि हमले में सात अन्य लोग भी घायल हुए हैं। महिला ने अपनी पहचान नहीं बताई, लेकिन घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की गुहार लगाई। इससे पहले 14 अप्रैल को सुरक्षा बलों ने लगभग 25 दिनों तक चले आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद किश्तवाड़ जिले के छत्रू वन क्षेत्र में एक अत्यधिक परिष्कृत और सुनियोजित आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया था। पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद (JeM) से जुड़े आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला यह ठिकाना लंबे समय तक जीवित रहने और संचार के लिए सुसज्जित था, जिससे उनकी तैयारी की गहराई का पता चलता है। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों ने छत्रू के घने जंगलों में एक ठिकाना बनाया था, जिसमें आवश्यक जीवित रहने के उपकरण, कुरान सहित धार्मिक ग्रंथ और 10 से 15 दिनों के लिए पर्याप्त खाद्य आपूर्ति थी।

निशिकांत दुबे के खिलाफ युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, भाजपा से उन्हें तुरंत निलंबित करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों ने सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि हमारी मांग है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना घ्घका मामला दर्ज किया जाए। जिस तरह से उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश का अपमान किया है, भाजपा को उन्हें तुरंत निलंबित करना चाहिए। एक निर्वाचित सांसद के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। यह देश संविधान के

अनुसार चलेगा, आरएसएस के नियमों के अनुसार नहीं। इससे पहले निशिकांत दुबे की विवादास्पद टिप्पणियों को भाजपा की सोची–समझी रणनीति का हिस्सा करार देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरीश चौधरी ने कहा कि सत्तारूढ़ दल अपनी नाकामियों पर परदा डालने के लिए जान–बूझकर ऐसे विवाद पैदा कर रहा है। चौधरी ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, ''पहले दुबे न्यायपालिका को लेकर दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियां करते हैं। फिर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा इन टिप्पणियों से अपनी पार्टी को अलग करते हैं। यह विवाद भाजपा की सोची–समझी रणनीति के तहत पैदा किया गया है ताकि भाजपा की सरकार की नाकामियां छिपाई जा सकें।'' कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पर दो सांसदों द्वारा की गई ''घृणित टिप्पणियों'' से ''निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष'' का दूरी बनाना कोई मायने नहीं रखता। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा,'' भारत के प्रधान न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है।

5 दिन में हटाएं वीडियो, शरबत जिहाद को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने रामदेव को लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। योग गुरु बाबा रामदेव ने मंगलवार को लोकप्रिय पेय रूह अफ़ज़ा के बारे में टिप्पणियों वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने पर सहमति जताई, जिस पर दिल्ली हाई कोर्ट की नाराजगी थी। रामदेव के वकील ने अदालत को बताया कि विवादित वीडियो, जिसमें शरबत जिहाद जैसे विवादास्पद शब्द थे, उसे तुरंत हटा दिया जाएगा। यह आश्वासन दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा रूह अफ़ज़ा को लक्षित करने वाली रामदेव की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करने के तुरंत बाद दिया गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने बाबा रामदेव की टिप्पणियों के खिलाफ रूह अफ़ज़ा बनाने वाली कंपनी हमदर्द की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अस्वीकार्य टिप्पणियाँ अदालत की अंतरात्मा को झकझोरती हैं। अदालत ने रामदेव की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया। न्यायाधीश ने कहा जब मैंने वीडियो देखा तो मुझे अपने कानों और आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। हमदर्द की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि यह मुद्दा अपमान से परे है और सांप्रदायिक कलह पैदा करने के उद्देश्य से घृणास्पद भाषण जैसा है।

तमिलनाडु से जुड़े मामले में केरल का मामला शामिल नहीं : केंद्र सरकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय के समक्ष केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी से संबंधी शीर्ष अदालत के आठ अप्रैल, 2025 के फैसले में केरल का मामला शामिल नहीं है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सरकार की ओर से पेश ओरसॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तमिलनाडु के फैसले का अध्ययन करने के लिए समय की मांग करते हुए कहा कि यह (तमिलनाडु का मामला) केरल के मामले से अलग है। शीर्ष अदालत ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी पर कई सवाल उठाये। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने भी कहा कि तमिलनाडु का निर्णय तथ्यों के आधार पर वर्तमान मामलों (केरल) के कुछ मुद्दों को कवर नहीं करता है। उन्होंने कहा,"हम उन अंतरों को दिखाना चाहेंगे।" केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के के वेणुगोपाल ने शुरुआत में कहा कि केरल मामला तमिलनाडु मामले में हाल ही में दिए गए फैसले के अंतर्गत आता है। मुद्दा यह है कि राष्ट्रपति को संदर्भित करने की समय सीमा क्या है, जिसे तीन महीने का माना गया है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार है। इसके बाद पीठ ने श्री वेणुगोपाल से पूछा कि वह क्या प्रस्ताव रखते हैं और क्या वह याचिका वापस लेना चाहते हैं, क्योंकि वह निर्णय वहां है। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उस निर्णय के सवाल पर वह निर्णय की जांच कर रहे हैं और इस उद्देश्य के लिए कुछ समय दिया जा सकता है। इसके बाद श्री वेणुगोपाल ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल को यह स्पष्ट करना होगा कि यह सीधे तौर पर शामिल है या नहीं। इस पर श्री मेहता ने कहा कि यह शामिल नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एकमात्र सवाल यह देखना है कि क्या निर्णय वर्तमान (केरल) मामले को कवर नहीं करता है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले पर विचार के लिए छह मई की तारिख तय किया। इस संदर्भ में न्यायालय को यह भी बताया गया कि केरल द्वारा तीन रिट याचिकाएं दायर की गई थीं और केवल एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की एक अलग पीठ ने आठ अप्रैल को अपने फैसले में घोषणा की कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को मंजूरी न देने का निर्णय 'अवैध' और 'मनमाना' था और राष्ट्रपति को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए तीन महीने की समय–सीमा तय की।

बिजली की कटौती से दिल्ली के लोग परेशान : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने कहा कि इस तपती गर्मी में यहाँ के अलग अलग हिस्सों में रात में घंटों बिजली की कटौती से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्लीवासियों का मजाक उड़ा रही है। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आज एक वीडियो जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से दिल्लीवालों का मजाक बनाने के बजाय बिजली कटौती की समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि, "बिजली कटौती से दिल्लीवाले परेशान है। 40 डिग्री की तपती गर्मी में दिल्ली के अलग अलग हिस्सों में रात में घंटों लंबे पावरकट लगे है।" उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहना है–दिल्ली में कहीं पॉवरकट नहीं हुए, लोग खुद अपनी लाइटें बंद करके कैंडल लाइट डिनर कर रहे है। सुश्री आतिशी ने मुख्यमंत्री से सवाल पूछते हुए कहा कि, " क्या सोशल मीडिया पर सभी दिल्लीवाले झूठ बोल रहे है? क्या सभी ने कैंडल लाइट डिनर करने के लिए अपने घरों में लाइट बंद कर मोमबत्ती जला ली है? उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों का मज़ाक न उड़ाये; लोग बहुत परेशान है, उनकी बिजली कटौती की समस्या का समाधान करें।

जनता है संविधान की संरक्षक : धनखड़

नयी दिल्ली,एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनता को संविधान की संरक्षक करार देते हुए मंगलवार को कहा कि किसी भी लोकतंत्र में नागरिकों की केंद्रीय भूमिका होती है और वे जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अपने इच्छा व्यक्त करते हैं। श्री धनखड़ ने आज यहां दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित का कार्यक्रम 'कर्तव्यम' को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी लोकतंत्र के

लिए, प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उप राष्ट्रपति ने कहा, " मेरे अनुसार नागरिक सर्वोच्च है क्योंकि एक राष्ट्र और लोकतंत्र नागरिकों द्वारा ही निर्मित होते हैं। उनमें से प्रत्येक की अपनी भूमिका है! लोकतंत्र की आत्मा प्रत्येक नागरिक में निवास करती है और धड़कती है। जब नागरिक सजग होगा, योगदान देगा तो लोकतंत्र खिलेगा, इसके मूल्य बढ़ेंगे और नागरिक जो योगदान देता है, उसका कोई विकल्प नहीं है।" उप राष्ट्रपति दिल्ली विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति है। उन्होंने कहा कि संविधान का सार और महत्व संविधान की प्रस्तावना में समाहित है। संविधान के अनुसार,"हम, भारत के लोग" सर्वोच्च शक्ति उनके पास है। भारत के लोगों से ऊपर कोई नहीं है। भारत के लोग, संविधान के अंतर्गत अपने जन प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी आकांक्षाओं, अपनी इच्छाओं, अपनी इच्छा को प्रतिबिंबित करने का विकल्प चुनते हैं तथा चुनावों के माध्यम से प्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराते हैं। श्री धनखड़ ने कहा कि 'आपातकाल' लगाने वाले प्रधानमंत्री को वर्ष वर्ष1977 में जवाबदेह ठहराया गया था। इसलिए, इस बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि संविधान लोगों के लिए है, और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी निर्वाचित प्रतिनिधियों की है। उन्होंने कहा, " संविधान की सामग्री क्या होगी, इसके अंतिम स्वामी वे ही हैं।"

वकीलों के संघ ने न्यायालय के सामने किया विरोध प्रदर्शन

● चार मौजूदा न्यायाधीशों के ट्रांसफर पर जताया विरोध

बेंगलुरु में वकीलों और अधिवक्ता संघों के सदस्यों ने मंगलवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया और चार मौजूदा न्यायाधीशों को अन्य उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित करने की सिफारिश का विरोध किया। इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इस स्थानांतरण की सिफारिश की थी। एसोसिएशन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को पत्र लिखकर उनसे सिफारिश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी भारत के राष्ट्रपति को पत्र लिखकर उनसे कर्नाटक उच्च न्यायालय से चार न्यायाधीशों के स्थानांतरण को मंजूरी न देने का आग्रह किया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने चार न्यायाधीशों की व्यावसायिकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि समय पर और प्रभावी न्याय प्रदान करने के लिए उनकी उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्पष्ट कारण के स्थानांतरण न्यायपालिका को हतोत्साहित कर सकते हैं और संस्था में जनता का विश्वास हिला सकते हैं। सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 15 अप्रैल और 19 अप्रैल को हुई अपनी बैठकों के दौरान 7 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की।

विकसित भारत की यात्रा एक साझा राष्ट्रीय मिशन : सीतारमण

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को यहां कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनने की भारत की यात्रा केवल एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि समावेशी, टिकाऊ और नवाचार–आधारित विकास के लिए एक साझा राष्ट्रीय मिशन है श्रीमती सीतारमण ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कैलिफोर्निया के हूवर इंस्टीट्यूशन में एक कार्यक्रम में कहा कि महामारी के झटके और बैंकिंग संकट के बावजूद, पिछले दशक में हमारी प्रगति, मजबूत मैक्रोइकॉनोमिक बुनियादी बातों तथा स्थिर सुधारों पर आधारित है, जो हमें आगे की राह के लिए आत्मविश्वास और दिशा देती है। नतीजतन, भारत दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जो हमारी बढ़ती ताकत एवं वैश्विक प्रासंगिकता का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि अगले दो दशकों में, भारत की विकास गति को बनाए रखने के लिए साहसिक सुधारों, मजबूत घरेलू क्षमताओं, नए संस्थागत साझेदारियों और उभरते वैश्विक परिदृश्य के अनुकूल अनुकूली रणनीतियों पर आधारित एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पिछले दो केंद्रीय बजटों ने एक स्पष्ट बहुक्षेत्रीय नीति एजेंडे के साथ इस परिवर्तन की नींव रखी है। पिछले दशक में, बुनियादी ढांचे के विकास पर महत्वपूर्ण जोर ने निवेशकों के विश्वास को मजबूत करके विनिर्माण–आधारित विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। उन्होंने कहा कि यह 2017–18 और 2025–26 के बजट के बीच केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में चार गुना से अधिक की वृद्धि से संभव हुआ है। इंडियास्पोरा और बीसीजी की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि पहली पीढ़ी के भारतीय प्रवासियों ने 2018 और 2023 के बीच 72 यूनिकॉर्न की स्थापना की। इन यूनिकॉर्न का मूल्यांकन कम से कम 195 अरब डॉलर था और इनमें लगभग 55,000 लोग कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि भारत में 65 प्रतिशत से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का मुख्यालय अमेरिका में है। ये जीसीसी अनुसंधान एवं विकास, प्रबंधन परामर्श और लेखा परीक्षा जैसे क्षेत्रों में उच्च–मूल्य–वर्धित, कस्टम सेवाएं प्रदान करते हैं। वहीं अमेरिका एक परिपक्व स्टार्ट–अप हब है जो 50–60 वर्षों में विकसित हुआ है, भारत की स्टार्ट–अप यात्रा अभी शुरुआती दौर में है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पिछले दशक के दौरान, सरकार का ध्यान विनियामक और अवसंरचनात्मक बाधाओं को दूर करके उद्यमशीलता के जोखिम उठाने की लागत को कम करने पर था।

2025 की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' के साथ मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में लगाये गए फलदार पौधे

मुजफ्फरनगर। प्राथमिक विद्यालय भसाना, तहसील बुढाना, जनपद मुज़फ्फरनगर में जिलाधिकारी महोदय श्री उमेश मिश्रा एवम प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग श्री कन्हैया पटेल के निर्देशन में डॉ राजीव कुमार द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस एवम हरित योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पृथ्वी दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना है। हरित योग एक ऐसी पहल है जिसमें योग को वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान के साथ जोड़ा गया है। योग और प्रकृति संरक्षण का अनोखा संगम है हरित योग

हरित योग IDY– 2025 के 10 प्रमुख कार्यक्रमों में से 1 महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' की थीम के साथ मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस– 2025

हरित योग का यह रूप व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर करेगा और धरती की हरियाली को दर्शायेगा

जिस प्रकार योग हमारे मन और तन को पोषण देता है उसी प्रकार वृक्षारोपण और स्वच्छता से धरती को पोषण मिलता है, जिससे आने वाली पीढ़ी के लिये स्वास्थ्य व स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित होगा। उक्त कार्यक्रम/हरित योग का आयोजन इण्डियन योग एसोसिएशन यू पी स्टेट चौप्टर कमेटी के अध्यक्ष श्री पीयूष कांत मिश्रा एवम सचिव श्री अमित गर्ग के मार्गदर्शन में डॉ राजीव कुमार द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री संदीप कुमार के नेतृत्व में विद्यालय प्रधानाध्यापक श्रीमती मीनू सिंह, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सदस्य श्री शिवराज सिंह एवम बालिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पत्रकारों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा: पवन सिंह

–एनयूजे प्रयागराज टीम विधान परिषद वितीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के सभापति पवन सिंह से सर्किट हाउस में मुलाकात की

प्रयागराज। आज नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई के अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के नेतृत्व मे एक प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के सभापति– डरू पवन सिंह चौहान (सदस्य विधान परिषद) से सर्किट हाउस मे मुलाकात की । एनयूजे पदाधिकारियो ने श्री पवन सिंह जी को बुके भेट कर प्रयागराज आगमन पर स्वागत किया । साथ ही सर्किट हाउस में श्री पवन सिंह जी सभापति तथा एनयूजे प्रयागराज के पदाधिकारियो की बीच एक बैठक सर्किट हाउस

मे हुई। इस बैठक मे पत्रकारो के विभिन्न समस्यो से अवगत कराया गया। पत्रकारो के सुरक्षा हमला फर्जी एफआईआर तथा महाकुंभ के दौरान पत्रकारो के विभिन्न परेशानियो को लेकर बैठक मे चर्चा हुई तमाम पत्रकार साथियो से समस्या सुनने के बाद श्री पवन सिंह सभापति ने यह आशवासन दिया की सम्बंधित जिम्मेदार अधिकारियो से वार्ता कर पत्रकारो के हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। श्री सिंह ने महाकुंभ के दौरान एनयूजे प्रयागराज टीम तथा सभी पत्रकारो को सकारात्मक सहयोग के लिए बधाई और धन्यवाद दिया। बैठक में कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला राम बाबू चित्रांशी यादव नसीम खान देवाशीष श्रीवास्तव नफीस अहमद अमित श्रीवास्त रवि शंकर पान्डेय आदि उपस्थित थे।

सहायक अध्यापक कंप्यूटर भर्ती में अब बीएड जरूरी नहीं

प्रयागराज। यूपी में अब सहायक अध्यापक कंप्यूटर भर्ती में अब बीएड जरूरी नहीं होगा। एलटी ग्रेड कला विषय में भी बीएफए के साथ बीएड अधिमानी अर्हता के रूप में शामिल हो गया है। राजकीय विद्यालयों की एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती में अब समकक्ष अर्हता का भी विवाद नहीं होगा। राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड शिक्षक (सहायक अध्यापक) भर्ती के लिए जारी नई नियमावली में समकक्ष अर्हता का विवाद समाप्त करने के साथ ही कुछ विषयों में बीएड की अनिवार्य अर्हता भी हटा दी गई है। कंप्यूटर विषय में बीएड की अनिवार्य अर्हता को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है। कला विषय में ललित कला में स्नातक (बीएफए) के अभ्यर्थियों के लिए भी बीएड की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इससे कंप्यूटर और कला विषय के अभ्यर्थियों को काफी राहत मिलेगी। अभ्यर्थी काफी समय से इसकी मांग भी कर रहे थे। पहले कंप्यूटर विषय में सहायक अध्यापक भर्ती के लिए शिक्षा स्नातक (बीएड) या समकक्ष उपाधि की अनिवार्यता थी।

इसके साथ कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक या बीई या कंप्यूटर विज्ञान में विज्ञान स्नातक या कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक या एआईईएलआईटी से 'ए' स्तरीय पाठ्यक्रम के साथ स्नातक की उपाधि होनी चाहिए थी। नई व्यवस्था में कंप्यूटर विषय के लिए बीएड की अनिवार्यता को पूरी तरह से समाप्त करते हुए इसे अधिमानी अर्हता के रूप में शामिल किया गया है।अभ्यर्थी के पास बीएड की डिग्री है तो अधिमानी अर्हता के रूप में उसे वेटेज दिया जाएगा। यदि बीएड की डिग्री नहीं है, तब भी वह सहायक अध्यापक कंप्यूटर भर्ती के लिए अर्ह माना जाएगा, लेकिन अलग से वेटेज नहीं मिलेगा। वहीं, सहायक अध्यापक कला के लिए अभ्यर्थी ललित कला में स्नातक (बीएफए) है तो बीएड की उपाधि अधिमानी अर्हता होगी। यानी बीएफए की उपाधि वाले अभ्यर्थी को सहायक अध्यापक कला की भर्ती में बीएड की डिग्री होने पर वेटेज मिलेगा, लेकिन बीएड की डिग्री न होने पर भी अभ्यर्थी आवेदन के लिए पात्र होगा। अभ्यर्थी के पास एक विषय के रूप में कला के साथ स्नातक की उपाधि है तो उसके लिए एनसीटीई से मान्यता प्राप्त किसी कोर्स में बीएड की डिग्री अनिवार्य होगी। एलटी ग्रेड शिक्षक की पिछली भर्ती का विज्ञापन मार्च 2018 में आया था, जिसमें सहायक अध्यापक कंप्यूटर के 1673 पदों में से 1637 पद खाली रह गए थे।

पार्क का न रख सके ख्याल, कम से कम प्रधानमंत्री के नाम की रख लेते लाज

प्रयागराज। महाकुम्भ से पहले संगम क्षेत्र में लगभग 2000 वर्ग मीटर का एक भव्य पार्क बनाया गया। पार्क का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। करोड़ों की लागत से बनाया गया पार्क महाकुम्भ के बाद बदहाल पड़ा है। धीरे–धीरे मानो पार्क का वजूद ही खत्म हो रहा है। इसकी देखरेख में लापरवाही हो रही है। यही हाल रहा तो साल भर में पार्क का वजूद समाप्त ही हो जाएगा। पार्क के अंदर लगाए गए अलग–अलग तरह के पौधे सूख रहे हैं। पौधों को पानी नहीं दिया जा रहा है।

पार्क में घास की कटाई नहीं हो रही है। इसकी रेलिंग टूट रही है। पार्क के बाहर मार्ग पर पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है।

दारागंज में गंगा मूर्ति चौराहा और शास्त्री ब्रिज के बीच पार्क का अधूरा काम रोक दिया गया है। पार्क किनारे ठहरा पानी मच्छरों का घर बन गया है। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान की टीम 'बोले प्रयागराज के तहत पार्क का मुआयना करने पहुंची तो इसकी हालत देखकर साफ लग रहा था कि महाकुम्भ के बाद इसे भुला दिया गया है। पार्क में यज्ञशाला का निर्माण ठप है। अधूरी यज्ञशाला में अब जीव–जंतुओं का बसेरा बन गई है। एक मूर्ति लगाने के लिए बनाए जा रहे चबूतरे का काम रोक दिया गया है। पास में एक मूर्ति ढकी रखी हुई है। पार्क में खोदा गया गड्ढा ऐसे ही पड़ा है। इसमें कुछ मशीनें भी पड़ी हैं। पार्क के आसपास से रोज आने–जाने वाले अब पार्क की हालत देखकर अफसोस जता रहे हैं।

दारागंज श्मशान घाट पर शव लेकर आने वाले लोग पार्क की बदहाली देखने के बाद एक ही सवाल पूछते है, देखभाल नहीं करनी थी तो पार्क बनाया ही क्यों। पार्क के निर्माण पर करोड़ों रुपए खर्च हुए। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस पार्क का लोकार्पण किया, उसकी हालत इतनी खराब कैसे हो सकती है। अधिकारी क्यों नहीं पार्क के रखरखाव पर ध्यान देते। क्या अधिकारियों ने पार्क को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। आसपास के लोगों से बातचीत के दौरान पता चला कि लोक निर्माण विभाग ने पार्क बनाया है। महाकुम्भ के पहले पार्क का निर्माण पूरा नहीं हुआ और प्रधानमंत्री से लोकार्पण करा दिया। तब कहा जा रहा था कि महाकुम्भ के बाद रुके निर्माण फिर शुरू होंगे। महाकुम्भ के दौरान पार्क की 24 घंटे देखभाल होती थी। लोगों ने ही बताया कि महाकुम्भ बीत गया पर पार्क का अधूरा काम शुरू नहीं सका। पार्क में अधूरे काम जस के तस पड़े हैं। अब तो इसका रखरखाव भी नहीं हो रहा है। लोगों के मुताबिक यही हाल रहा तो पार्क का अस्तित्व ही मिट जाएगा और इसकी शुरुआत हो गई है। पौधे सूख रहे है। कुछ रेलिंग टूट रही है तो कई रेलिंग चोरी हो गई।

उखड़ने लगी पार्क के पास की सड़क

महाकुम्भ के पहले पार्क के दोनों ओर रोड का भी निर्माण किया गया। त्रिवेणी बांध की मरम्मत हुई और इसके पास ही गंगा पथ बनाया गया। गंगा पट्टू सुरक्षित है, लेकिन बांध की रोड जगह–जगह टूट रही है। टूटे मार्ग को देखकर लोग इसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

पानी निकासी की व्यवस्था नहीं

पार्क की बाउंड्री के बाहर आज भी बारिश का पानी है। यहां पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। इसमें मच्छरों की भरमार है। पार्क के पास रहने वाले वाले बताते हैं कि पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है इसी वजह से यह हाल है। यहां पहले से ही लोग मच्छरों से परेशान थे। पार्क के पास गंदा पानी भरा होने से यहां मच्छरों का प्रकोप और बढ़ गया है। गंदा पानी न निकाला जा रहा है और न ही कीटनाशक का छिड़काव हो रहा है।

पार्क का रखरखाव ठीक से हो। बैठने की समुचित व्यवस्था हो। शेड लगाया जाय, जिससे दूर–दूर से अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोग पार्क का उपयोग कर सकें। यहां रुक कर विश्राम कर सकें।––जितेन्द्र कुमार

यहां दूर–दूर से लोग अंत्येष्टि के लिए आते हैं। जिन्हें बैठने और पीने के पानी के लिए इधर–उधर जगह तलाशनी पड़ती है। पार्क होने के बावजूद लोग इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इस पर ध्यान देना होगा।–– कुलदीप सोनकर

पार्क तो बना दिया गया लेकिन इसका उचित रखरखाव न करने के कारण पौधे सूख रहे हैं, घास भी झुलस गई है। पार्क का सुंदरीकरण कर इसे उपयोग लायक बनाना चाहिए ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके।–राजेश

पार्क बनने के बाद भी किसी मतलब का नहीं है। दूरदराज से आए लोगों को पुल के नीचे बैठना पड़ता है। पुल न होता तो लोगों को छांव भी नसीब न होती। पार्क में पेयजल, बेंच, शेड आदि की सुविधा होनी चाहिए।–बबलू

पार्क में लगे पेड़ पौधे सूख रहे हैं, हर तरफ गंदगी फैली है, बैठने की सुविधा भी नहीं है, जिससे लोग पार्क में नहीं आते। शव लेकर दूर–दूर से आने वाले लोगों को चाय पान की दुकानों और पुल के नीचे बैठना पड़ता है।– निरंजन लाल

पार्क में पेयजल, शौचालय, बेंच और शेड लगाया जाए। छायादार पेड़ लगे तो लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा। जब कोई सुविधा ही नहीं है और पार्क वीरान पड़ा है तो यहां कौन आएगा। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा।––टीएन सोनकर

भारी भरकम बजट खर्च कर पार्क बनाया गया लेकिन सुविधा कुछ भी नहीं है। बाढ़ आने पर सारा निर्माण ध्वस्त हो जाएगा। यहां पक्का और स्थायी निर्माण होना चाहिए। शौचालय, पेयजल यात्री शेड आदि बनने चाहिए।–ईश्वर लाल

यहां पर न बैठने की उचित व्यवस्था है, न ही पीने के पानी का इंतजाम किया गया है। विभिन्न स्थानों से आने लोगों को यदि सुविधा मिले तो लोक पार्क का उपयोग कर सकेंगे। बदहाल पार्क में कौन बैठना पसंद करेगा।–त्रिलोक कुमार

मेला के दौरान बनाया गया पार्क अनदेखी के कारण बदहाल पड़ा है। पौधे सूख रहे हैं, हर तरफ गंदगी बिखरी है। पार्क की रेलिंग भी कई जगह से तोड़ दी गई है। जिम्मेदार ध्यान देते तो पार्क की यह दशा न होती।–नरेश कुमार

यहां छायादार पेड़ होते, शेड लगा होता और पानी आदि की व्यवस्था होती तो लोगों को इसका लाभ मिलता, बाहर से आने वाले लोग यहां बैठकर विश्राम कर सकते थे, लेकिन जो पेड़ लगाए गए हैं वह भी दम तोड़ रहे हैं।–भीम

मेला के दौरान यह पार्क बनाया गया और कुछ माह में ही इसकी यह दशा हो गई है तो किस कदर इसकी उपेक्षा की गई है समझा जा सकता है। जिम्मेदार इस पर ध्यान दें तो पार्क की हालत फिर से ठीक हो सकती है।–बीरू

अंतिम संस्कार के लिए लोग जिले के विभिन्न स्थानों सहित कौशाम्बी, प्रतापगढ़ और रीवां तक से आते हैं। यदि पार्क का रखरखाव कर इसे उपयोग लायक बना दिया जाय तो लोगों को काफी सहूलियत होगी।–दीपू

पार्क तो अच्छा बना है और काफी बड़ा भी है, लेकिन इसकी देखरेख नहीं की जा रही है, जिससे यहां बदहाली का बोलबाला है। अधिकारी ध्यान दें तो पार्क की दशा सुधर सकती है और लोग को सुविधा होगी।–जगदीश

यहां न तो शौचालय है न ही पानी की व्यवस्था, बैठने की उचित व्यवस्था भी नहीं की गई है। इतनी भारी लागत से बने पार्क में यदि व्यवस्था की जाती तो लोग इससे लाभान्वित हो सकते थे, लेकिन इसे बदहाल छोड़ दिया गया।–दीपक

महाकुम्भ के दौरान बने पार्क की रेलिंग तोड़ दी गई है, जगह–जगह कूड़ा–कचरा पड़ा है। पेड़ सूख रहे हैं। घास झुलस रही है। पार्क में हर तरफ अव्यवस्था साफ देखी जा सकती है। अधिकारी इस पर ध्यान दें।–आदित्य

जब पार्क बना था तो यहां हरियाली दिखती थी, साफ–सफाई भी होती थी, लेकिन मेला के बाद पार्क को उसके हाल पर छोड़ दिया गया, जिसके कारण यहां लगे पौधे सूखने लगे हैं, हर तरफ गंदगी दिखती है।– गुरु प्रसाद

पार्क में नागरिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं तो लोगों को काफी सुविधा मिल सकेगी। सुविधा न होने के कारण लोग पुल के नीचे सड़क पर बैठते हैं। पीने के लिए भी पानी भी चाय पान की दुकानों से लेना पड़ता है।– राहुल त्रिपाठी

जिम्मेदारों ने ध्यान दिया होता तो पार्क की दुर्दशा न होती। पार्क बना कर छोड़ दिया गया और किसी जिम्मेदार ने यह नहीं देखा कि यह किस हाल में है। जिम्मेदार ध्यान दें तो पार्क की सूरत बदल जाए।–ओम प्रकाश कुशवाहा

महाकुम्भ के बाद पार्क का काम ही बंद कर दिया गया। पार्क में पौधे सूख रहे हैं। सफाई नहीं होती। लोगों के बैठने की जगह नहीं है। पार्क के अंदर अक्सर जानवर भी देखे जा रहे हैं। पार्क का अधूरा निर्माण शुरू करने और मवेशियों को पकड़ने के लिए कहा है। अधिकारियों से आग्रह किया, लेकिन अब तक कोई काम नहीं हुआ।–अनुपमा पांडेय, पार्षद, दारागंज

- पार्क का निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया।
- पार्क में लगी रेलिंग की गुणवत्ता खराब है।
- पार्क में लगे पौधों की सिंचाई नहीं हो रही।
- अराजकतत्वों का अड्डा बन रहा है।
- पार्क के बाहर सड़क टूट रही है।
- पार्क के अधूरे निर्माण पूरे हों।
- पार्क की टूटी रेलिंग फिर से लगे।
- पार्क पर हुए खर्च की जांच हो।
- पौधों को नियमित सिंचाई हो।
- पार्क के आसपास सुरक्षाकर्मी तैनात हों।

यूपी बोर्ड से आया 54 लाख छात्रों के लिए नया अपडेट, इस तारीख में जारी हो सकता है रिजल्ट

प्रयागराज। यूपी बोर्ड कक्षा 10 और 12 के रिजल्ट का 54 लाख से अधिक छात्रों को इंतजार है। यूपी बोर्ड का रिजल्ट 24 के बाद किसी भी दिन आ सकता है। पिछले वर्ष बोर्ड ने 20 अप्रैल को परिणाम जारी किया था। उत्तर प्रदेश बोर्ड के कक्षा 10 और 12 के रिजल्ट का इंतजार कर रहे 54 लाख से अधिक छात्रों के लिए नया अपडेट है। 24 अप्रैल के बाद किसी भी दिन वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाओं का परिणाम जारी हो सकता है।

बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने स्पष्ट किया है कि परिणाम 25 अप्रैल से पहले घोषित नहीं किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि परिणाम 26 अप्रैल को जारी किया जा सकता है, क्योंकि रिजल्ट तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम दौर में है।

यूपी बोर्ड की परीक्षा में शामिल 51 लाख से अधिक परीक्षार्थियों को परिणाम का इंतजार है। इस बार बोर्ड ने कॉपियों का मूल्यांकन 15 दिनों में पूरा करा लिया था। पिछले वर्ष बोर्ड ने 20 अप्रैल को परिणाम जारी किया था। परिणाम लगभग तैयार

ताजा अपडेट के अनुसार, बोर्ड परिणाम तैयार कर रहा है। रिजल्ट तैयार होने में लगभग 15 दिन का समय लगेगा। परिणाम अप्रैल के अंतिम सप्ताह में घोषित किया जा सकता है। परीक्षा में पास होने के लिए छात्रों को कम से कम 33: अंक लाने होंगे।

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा का आयोजन 24 फरवरी से 12 मार्च तक हुआ और इसके बाद कॉपियों का मूल्यांकन भी दो अप्रैल को पूरा हो चुका है। ऐसे में यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 में शामिल परीक्षार्थियों को अब रिजल्ट का इंतजार है। परिणाम अप्रैल के अंत में जारी होने की उम्मीद है।

पिछले वर्ष इतने लाख छात्र परीक्षा में हुए शामिल

पिछले वर्ष यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में लाखों छात्रों ने हिस्सा लिया था। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में कक्षा 10वीं (हाई स्कूल) परीक्षा के लिए करीब 29 लाख छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 27 लाख से अधिक छात्र वास्तव में परीक्षा में शामिल हुए। 2024 में हाई स्कूल का कुल पास प्रतिशत 89.55: रहा था। परीक्षा में प्राची निगम ने सर्वोच्च स्थान हासिल करते हुए टॉप किया था।

नतीजों की घोषणा होने पर छात्र आनलाइन अपना रिजल्ट देख सकेंगे। इसके साथ ही आपको यहां अपने ऑनलाइन रिजल्ट की कॉपी डाउनलोड करने की सुविधा भी मिलेगी।

आज भी कानों में गूंज रहा पोप फ्रांसिस का मानव सेवा का संदेश

प्रयागराज। रोमन कैथोलिक चर्च के धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन की जानकारी मिलते ही इलाहाबाद डायोसिस के बिशप लुईस मस्करेन्हस के मन मस्तिष्क में एक ही संदेश गूंजने लगा। जब पोप से उनकी मुलाकात वेटिकन सिटी में 20 सितंबर 2024 को हुई थी। जहां पूरी दुनिया से आए 135 बिशप पोप से मिले थे। तब पोप ने कहा था कि 'समाज के सबसे पिछड़े लोगों की सेवा करना कभी नहीं भूलना। बिशप बताते हैं कि सितंबर 24 में एक महीने के लिए वेटिकन सिटी में धर्म सम्मेलन आयोजित हुआ था। जिसमें एक दिन पोप के साथ बिताने का अवसर मिला था। करीब आधा घंटे की मुलाकात में पोप ने कहा था कि मानवता के लिए हमेशा संवेदना रखना चाहिए, दूसरा संदेश पिछड़े और असहाय लोगों की सेवा करते रहना चाहिए। पोप के निधन से आहत बिशप मस्करेन्हस ने कहा कि वे कभी भी राजमहल में नहीं रहे और वेटिकन सिटी के एक छोटे से कमरे में रहते थे। अक्सर दुनिया को राह दिखाने के लिए सर्वधर्म सद्भाव का संदेश दिया करते थे। उनके नैसर्गिक गुणों में नम्रता हमेशा बनी रहती थी। बिशप ने बताया कि पोप फ्रांसिस के निधन के नौ दिनों तक कैथोलिक चर्चों में शोक मनाया जाएगा। शोक के नौ दिनों में से किसी एक दिन सेंट जोसेफ कैथेड्रल में सर्वधर्म सभा आयोजित की जाएगी। पोप के निधन पर 22 अप्रैल को सेंट जोसेफ स्कूल बंद रहेगा और 23 अप्रैल को नाजरेथ हॉस्पिटल को बंद रखा जाएगा। चर्च के धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने फादर लुईस मस्करेन्हस को इलाहाबाद कैथोलिक डायोसिस का बिशप नियुक्त किया था। पोप की ओर से की गई नियुक्ति की घोषणा 17 जून 2023 को आगरा महाधर्म प्रांत के धर्माध्यक्ष राफी मंजली ने करते हुए नए धर्माध्यक्ष बनाए जाने का स्वागत किया था।

निराश्रित बाबा को मिली नई दृष्टि: मदद फाउंडेशन और डॉ. अनूप चौहान ने रोशन की जिंदगी

प्रयागराज। फुटपाथ पर गुजर–बसर करने वाले एक बुजुर्ग बाबा, जिनकी आंखों से तीन साल पहले मोतियाबिंद ने दुनिया की रोशनी छीन ली थी, अब फिर से स्पष्ट देख सकते हैं। यह चमत्कार संभव हुआ श्मदद फाउंडेशनश और प्रख्यात नेत्र सर्जन डॉ. अनूप चौहान की अनूठी पहल से। मदद फाउंडेशन, जिसके संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी और उनकी पत्नी अमृता तिवारी हैं, वर्षों से अपने अभियान श्रविवार की रसोईश के जरिए गरीब और निराश्रित लोगों को हर रविवार निःशुल्क भोजन वितरित करता है। इस दौरान फाउंडेशन की टीम नियमित रूप से बाबा को भोजन उपलब्ध कराती थी। एक दिन बातचीत में अमृता

तिवारी को पता चला कि बाबा मोतियाबिंद के कारण देख नहीं पाते। यह सुनकर फाउंडेशन ने बाबा की आंखों का इलाज कराने का बीड़ा उठाया। मंगला प्रसाद तिवारी ने सोशल मीडिया पर बाबा की कहानी साझा कर ऑपरेशन के लिए मदद मांगी। इस अपील का जवाब देते हुए डॉ. अनूप चौहान ने निःशुल्क ऑपरेशन की जिम्मेदारी ली। प्रारंभिक जांच, दवाएं और उपचार के बाद 21 अप्रैल 2025 को बाबा की आंखों का सफल ऑपरेशन हुआ। अब बाबा नई रोशनी के साथ दुनिया को देख रहे हैं। अपनी दृष्टि वापस पाकर भावुक बाबा ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि फिर से देख पाऊंगा। मदद फाउंडेशन, मंगला जी, अमृता जी और डॉ. चौहान ने मेरी जिंदगी में उजाला भर दिया। मदद फाउंडेशन की यह पहल शहर में चर्चा का विषय बनी है। श्रविवार की रसोईश के अलावा ऐसे नेक कार्यों से फाउंडेशन जरूरतमंदों के जीवन में उम्मीद की किरण जगा रहा है। मंगला प्रसाद और अमृता तिवारी अपने बच्चों के साथ मिलकर हर रविवार भोजन तैयार करते हैं और इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं, जो समाज के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल है।

जूलॉजी एमएससी (पर्यावरण) के छात्रों ने एमएनएनआईटी प्रयागराज का शैक्षिक भ्रमण किया

प्रयागराज। CMP कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एमएससी जूलॉजी के छात्रों ने आज एमएनएनआईटी इलाहाबाद के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग का शैक्षिक भ्रमण किया।यह भ्रमण उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था, जिसका संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुशील कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। पर्यावरण जीवविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. ज्योति वर्मा भी छात्रों के साथ इस यात्रा में शामिल रहीं। इस दौरान छात्रों ने विभाग की उन्नत प्रयोगशाला सुविधाओं और अपशिष्ट जल

उपचार मॉडल का अवलोकन किया, जिससे उन्हें आधुनिक पर्यावरण निगरानी और प्रबंधन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। यह भ्रमण प्रोफेसर सुशील कुमार के अर्थ डे व्याख्यान के बाद आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण में सतत अपशिष्ट जल उपचार रणनीतियों के महत्व पर जोर दिया गया था। इस सफल आयोजन के लिए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर साधना सचान के समर्थन का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने भ्रमण की अनुमति प्रदान की। साथ ही, डॉ. हेमलता पंत और डॉ. मनोज जैसवाल भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।अनुसंधान छात्राएं अनुराधा यादव, सिमोनी सिंघल, अर्पिता श्रीवास्तव और निधि गुप्ता ने भी इस भ्रमण में भाग लिया और शैक्षणिक चर्चाओं में सक्रिय योगदान दिया।

तालाब की सफाई न होने से ग्रामीणों ने किया विरोध

मोरना। गांव दरियापुर में तालाब की सफाई न होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। तालाब की सफाई कराने की मांग करते हुए मंगलवार को ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन किया। तालाब में दलदल होने से ग्रामीणों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए तालाब की सफाई कराने की मांग की है। थाना ककरौली क्षेत्र के

गांव दरियापुर निवासी अरुण चेयरमैन, ककरौली वी पैक्स उपसभापति नीरज, पवन, सुरेंद्र, बनारसी, मुकेश, सतीश, सुरेशपाल, सतवीर ने बताया कि गांव स्थित तालाब में सिल्ट जमने से तालाब में दलदल हो गई है। जिससे गांव की नालियों का पानी तालाब में नहीं पहुंच पा रहा है। नालियां ओवरफ्लो होने से गन्दा पानी गांव के रास्तों में बह रहा है। सफाई न होने से तालाब में कचरा, गंदगी और अन्य अपशिष्ट जमा हो गए हैं, जिससे पानी दूषित हो गया है। इसके उपयोग से जल जनित बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। तालाब में गंदगी से मच्छर और अन्य कीट आकर्षित होकर बीमारियां फैला रहे हैं। तालाब की साफ–सफाई न होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। मंगलवार को गुस्साए ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन कर तालाब की सफाई कराने की मांग की है।

बारात में जा रहे बाइक सवार युवक की हादसे मे मौत

मोरना। भोकरहेड़ी–लकसर मार्ग पर अचानक बाईक फिसलने से बिहारगढ़ निवासी दो युवक घायल हो गये। घायलों को भोपा सीएचसी पर लाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल युवक को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जहां चिकित्सक ने

उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से इंकार कर दिया। युवक की मौत से परिवार मे कोहराम मच गया है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बिहारगढ़ निवासी 18 वर्षीय सौरभ पुत्र राजेंद्र चौहान अपने पडोसी शोकेंद्र पुत्र सूरज कश्यप के साथ बाईक द्वारा गांव के अभिषेक चौहान की बरात मे उत्तराखण्ड के रायगढ़ी जा रहा था। जैसे ही वह भोकरहेड़ी–लकसर मार्ग पर मजलिसपुर तोफिर गांव स्थित पेट्रोल पम्प के पास पहुंचे तभी उनकी बाइक किसी कारण फिसल गयी। सड़क पर गिरने से सौरभ व शोकेंद्र घायल हो गये घायलों को भोपा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाया गया। जहां से गंभीर हालत के चलते सौरभ को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। जहां चिकित्सक ने सौरभ को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता राजेंद्र चौहान ने घटना को इत्तीफाकन बताते हुए पुलिस कार्रवाई से इंकार कर दिया।सौरभ की मौत से गांव मे शोक की लहर दौड़ गयी। वहीं पिता राजेंद्र माता प्रवेश भाई सोनित, विनीत व बहन का रोरोकर बुरा हाल है।

ग्रामीण ने दरोगा पर लगाया अभद्रता का आरोप

मोरना। थानाक्षेत्र के गांव निवासी एक युवक ने थाने पर तैनात दरोगा पर उसके साथ अभद्रता करने व तमाचा मारने का आरोप लगाया है। युवक भाकियू तोमर के युवा जिलाध्यक्ष का करीबी है। युवक का कहना है कि सोमवार शाम पुलिस जटवाड़ा चौकी गंगनहर पुल पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। वह उधर से गुजर रहा था। उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस सहित बाइक के सभी कागजात थे। पुलिस ने चेकिंग के लिए उसे भी रोका। युवक का आरोप है कि चेकिंग के दौरान जटवाड़ा चौकी प्रभारी ने उसके साथ अभद्रता की। जिसकी वह अपने मोबाइल से वीडियो बनाने लगा। आरोप है कि उसे वीडियो बनाता देख चौकी प्रभारी ने उसके गाल पर तमाचा जड़ दिया। जिससे नाराज होकर उसने मंगलवार को दरोगा द्वारा की गई अभद्रता की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी तथा भाकियू तोमर के उच्च पदाधिकारियों से दरोगा की शिकायत की। भाकियू तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव तोमर ने बताया कि ककरौली पुलिस के आमजन के प्रति खराब रवैये तथा यूनियन से जुड़े एक युवक के साथ जटवाड़ा चौकी प्रभारी के द्वारा की गई अभद्रता को लेकर 26 अप्रैल को जिलाध्यक्ष निखिल चौधरी के नेतृत्व में थाना ककरौली में धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

नाले–नालियों की रोस्टर बनाकर की जाए सफाई, निकलने वाली गंदगी शाम तक हो साफ

– नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा ने की पहली जनसुनवाई 'संभव'
– वेंडर के कार्य में लापरवाही मिलने पर पेनाल्टी का करें प्रावधान

प्रयागराज। नव नियुक्त नगर आयुक्त आईएएस श्री सीलम साईं तेजा ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को अपनी पहली जनसुनवाई श्संभवश की। इस जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतें नाले और नालियों की सफाई, टूटे स्लैब और अवैध निर्माण से जुड़ी रहीं। जनसुनवाई के दौरान श्री तेजा ने आम नागरिकों की समस्याएं न केवल ध्यानपूर्वक सुनीं, बल्कि तत्काल समाधान के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में आई अधिकतर शिकायतें नाले–नालियों की जाम स्थिति, गंदगी और ओवरफ्लो से जुड़ी रहीं। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए नालों और नालियों की सफाई पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि सफाई का कार्य नियोजित तरीके से हो, इसके लिए जल्द ही रोस्टर तैयार किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो कि किसी भी वार्ड में सफाई का कार्य अधूरा न रहे।

उन्होंने कहा कि हर सफाई कार्य की मॉनिटरिंग एक टीम द्वारा की जाएगी, ताकि सफाई के बाद निकलने वाला सिल्ट (मलबा) नालों के किनारे पड़े न रहे। संबंधित क्षेत्र में कार्य के दिन ही शाम तक मलबे को हटवा लिया जाए। नगर आयुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि

वेंडर के कार्य में लापरवाही पर पेनाल्टी लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जन सुनवाई में अपर नगर आयुक्त श्री अरविंद राय, अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव, अपर नगर आयुक्त श्री अंबरीष बिंद, मुख्य कर अधिकारी श्री पीके द्विवेदी सहित अन्य विभागों के अधिकारी और जोनल अधिकारी भी मौजूद रहे।

'नाले पर स्लैब बनाने का निर्देश'

जोन–6 में स्थित सुलेम सराय क्षेत्र के निवासियों ने जनसुनवाई के दौरान एक पुराने नाले पर स्लैब टूट जाने की शिकायत की। नगर आयुक्त ने मामले की गंभीरता को समझते हुए मौके पर ही तत्काल मरम्मत कार्य कराने के आदेश जारी कर दिए। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य में देरी न हो और एक सप्ताह के भीतर इसकी स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

'नाले पर अवैध निर्माण की मांगी रिपोर्ट'

जनसुनवाई के दौरान जोन–1 के वार्ड–96 से एक और गंभीर मामला सामने आया, जिसमें एक नाले के ऊपर अवैध रूप से मकान निर्माण किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई। इस पर श्री सीलम साईं तेजा ने मौके का निरीक्षण करने और पूर्ण मुआयना कर अगली जनसुनवाई तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ष्नालों पर अवैध कब्जा शहर की जल निकासी व्यवस्था को प्रभावित करता है, जिससे बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।ष

'पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की नीति'

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को साफ शब्दों में कहा कि जनसुनवाई में आई शिकायतों का समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए और इसमें पारदर्शिता बनाए रखी जाए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जल्द ही डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम शुरू किया जाएगा, जिससे शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन देख सके। उन्होंने कहा कि "जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं है, बल्कि नागरिकों को यह विश्वास दिलाना है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।"

महापौर ने कहा– पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी नगर निगम की भी, आयुक्त बोले– एकजुट होकर बढ़ाएंगे विकास की रफ्तार

–आईएएस श्री सीलम साईं तेजा का पार्षदों से परिचय, हर मंगलवार सुनेंगे उनकी समस्याएं

प्रयागराज। नगर निगम की स्मार्ट सिटी बिल्डिंग के सभागार में मंगलवार को नव नियुक्त नगर आयुक्त आईएएस श्री सीलम साईं तेजा का शहर के पार्षदों के साथ औपचारिक परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस मौके पर शहर के लगभग सभी वार्डों के पार्षद मौजूद रहे।

पार्षदों ने न केवल अपना परिचय दिया, बल्कि अपने–अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास की स्थिति से भी नगर आयुक्त को अवगत कराया। इस दौरान पार्षदों ने नगर आयुक्त से नियमित मुलाकात के लिए एक तय समय निर्धारित करने का अनुरोध किया। इस पर श्री तेजा ने घोषणा की कि वे हर मंगलवार को जनसुनवाई के बाद दोपहर 12 बजे पार्षदों की समस्याएं सुनेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा कि आज का दिन पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धरती को हरा–भरा रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और इस दिशा में नगर निगम की भूमिका बेहद अहम है। महापौर ने बताया कि

प्रयागराज में मियावाकी पद्धति से कई स्थानों पर जंगल विकसित किए गए हैं।उन्होंने ऐसे जंगलों को शहर के अन्य हिस्सों में भी विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

'यूपी कैडर मिलने पर सीखी हिंदी'

नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा ने अपने संबोधन में बताया कि वे मूल रूप से हैदराबाद (तेलंगाना) के निवासी हैं। उन्होंने आईआईटी से स्नातक करने के बाद सिविल सेवा जॉइन की और उत्तर प्रदेश कैडर मिलने पर हिंदी भाषा सीखी।

उन्होंने महाकुंभ के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में 66 करोड़ लोगों ने भाग लिया, जिसमें शहरवासियों का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि जब तेलंगाना में लोगों को पता चला कि वे प्रयागराज में नियुक्त हुए हैं, तो उन्होंने इस पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "सभी तेलंगानावासियों की ओर से मैं प्रयागराज के नागरिकों को धन्यवाद देता हूं।"

'शहर के विकास में सबकी भागीदारी जरूरी'

नगर आयुक्त ने कहा कि "हम सब मिलकर प्रयागराज को एक सुंदर, स्वच्छ और विकसित शहर बनाएंगे।" उन्होंने माना कि प्रशासनिक और वित्तीय सीमाएं हैं, लेकिन एकजुट होकर कार्य किया जाए तो हर चुनौती का समाधान संभव है। उन्होंने बताया कि नगर निगम की सीमा में लगातार विस्तार हो रहा है, ऐसे में अब इन नए क्षेत्रों में भी समान रूप से सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। कार्यक्रम में सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला, जिससे उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और शहर के विकास को नई गति मिलेगी।

ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल में बच्चों को किया सम्मानित

मोरना। गांव तिस्सा में वार्षिक उत्सव श्उड़ान बच्चों के सपनों कीश के नाम से आयोजित कियाजिसमे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके अपनी कला का प्रदर्शन किया और दर्शकों का मन मोह लिया कार्यक्रम में बच्चों के परिजनों ने भी उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बृजभूषण वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया बच्चों द्वारा 1857 की क्रांति पर एक नाटक का प्रस्तुतीकरण किया गया। बच्चों के द्वारा नाटक, श्आज की ताजा खबरश श्अंधेरे कहीं जम न जाए उजाले बांट लोश श्मुझे पंख दे दोश श्आम के आम गुठलियों के दामश फैंसी ड्रेस, पंजाबी डांस आदि प्रोग्राम बच्चों ने मंच पर प्रस्तुत किया मुख्य रूप से कुमारी तान्या

राशि निधि तनिष्क तनीषा शौर्य सैनी पीहू सैनी ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों के अभिभावक एवं ग्रामीणों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया।प्रधानाचार्य वजीर अली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह कि सभी बच्चे के माता–पिता से कि वह हमारा इसी तरह सहयोग करते रहेंगे हम अपने बच्चों को सच्चाई के रास्ते पर चलना सीख रहे हैं ताकि यही

के कार्यक्रम हमारे देश की संस्कृति का अहम हिस्सा है और ये कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोगी होते है।और हम अपने विद्यालय में बच्चों का संपूर्ण विकास करने का प्रयास कर रहे हैं हमें उम्मीद है बच्चे आगे चलकर देश के उज्जवल भविष्य का निर्माण करें कार्यक्रम के मुख्य अथिति बच्चों के उज्जवल भविष्य के कामना की और कहा है कि यह बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं।प्रबंधक मोहम्मद सद्दाम जी ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी टीचर्स अल्का मैडम,सायमा मैडम, मनम मैडम , किसा मैडम का विशेष योगदान मुख्य रूप से रहा कार्यक्रम के अंत में स्कूल में आए हुए टॉपर बच्चों का व कक्षा में प्रथम स्थान कुमारी इनायत पुत्री श्री परवेज़ आलम द्वितीय कुमारी वीरा पुत्री श्री अनुज कुमार,तृतीय स्थान कुमारी इल्मा पुत्री ज़मशेद ने प्राप्त किया बच्चों को मेडल देकर अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम का संचालन स्कूल की अध्यापिका कुमारी मंताशा मलिक में व कुमारी सौम्या मालिक ने किया कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सराहा मुख्य रूप से एडवोकेट अंकित सैनी मुरसलीन दीपक कश्यप मोहम्मद वकार अतुल पाल शाहनवाज कुरैशी लोकेश मास्टर जी रामधारी कश्यप सुशील सैनी अरुण सैनी रज्जू कश्यप आदि मौजूद रहे।

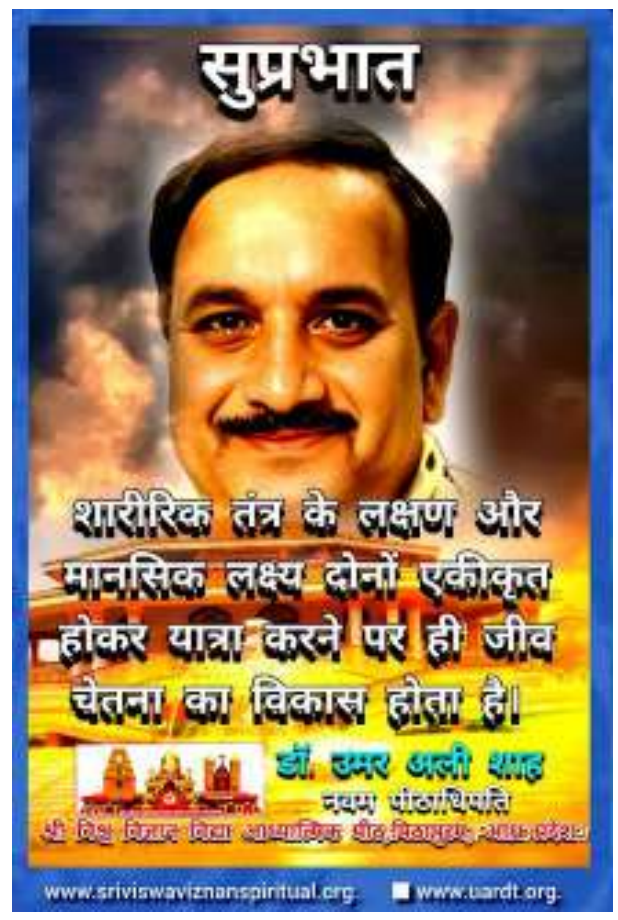

गगन क्रोध से तप रहा

(कुण्डलिया)

गगन क्रोध से तप रहा,पवन दे रहा साथ।
पेड़ –तले की छाँव ही,करे मदद बन नाथ।
करे मदद बन नाथ, न पूछे पता ठिकाना।
राहत मिलते, खोल, पोटली सत्तू खाना।
सुन लो कहें प्रदीप, धूप जो आती छन–छन।
मिलती उसको ठाँव, हुई तब वह मगन–मगन।

रंगत बदली धूप ने, बढ़ा भोर का ताप।
नर्म हवा लू बन गई, नीर उड़े बन भाप।
नीर उड़े बन भाप,परेंशा है जग सारा।
सन्नाटा चहुँ ओर,डराती बढ़ता पारा।
सुन लो कहें प्रदीप,खुदा से माँगो मन्नत।
होगी तब बरसात, बदल जाएगी रंगत। ।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हिंदी विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस' पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

–महाकुंभ 2025 के प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका विषय पर विशेष व्याख्यान

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रयागराज केन्द्र पर महाकुंभ 2025 के प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे के डॉ. अमित मालवीय रहे। यह कार्यक्रम विश्व्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की प्रेरणा से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य्य अतिथि डॉ. अमित मालवीय ने कहा कि जनसंपर्क की शुरुआत ही सत्य के आधार पर होती है। विभिन्न माध्यमों से मिली जनता की आवश्यकताओं और उनसे संबंधित सूचनाओं को प्रशासन तक पहुंचाना ही जनसंपर्क विभाग का कार्य है। महाकुंभ आयोजन के दौरान सुगम गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा, विकास परियोजनाएँ शुरू की गईं थीं। तीर्थयात्रियों की आवा–जाही को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए सड़क नेटवर्क विस्तार, पैदल यात्री–अनुकूल क्षेत्रों और अस्थायी पुलों की ओर निवेश किया गया। महाकुंभ केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि एक सामाजिक–सांस्कृतिक परिघटना है। इस अवसर पर लाखों तीर्थयात्रियों, संतों, योगियों और आगंतुकों का आगमन होता है, जो भारत की धार्मिक–सांस्कृतिक विविधता का एक सूक्ष्म रूप प्रस्तुत करता है। उन्होंने अपने वक्तव्य में आगे कहा कि 2025 के महाकुंभ को प्रौद्योगिकी के उच्च स्तर के उपयोग के कारण ष्डिजिटल महाकुंभष नाम दिया गया था। वास्तविक समय में गतिविधियों की निगरानी के लिए सी सी टी वी कैमरे और अंडरवाटर ड्रोन तैनात किए गए थे। कुंभ ऐप पर ए–आई संचालित भीड़ प्रबंधन प्रणाली और बहुभाषी चौटबॉट ने तीर्थयात्रियों को सहायता प्रदान की। भारतीय रेलवे कहती है कि हम पर विश्वास रखिए कि हम आपके प्रहरी की तरह आपके गंतव्य तक आपको पहुंचाएंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के अकादमिक निदेशक प्रोफेसर अखिलेश दुबे ने कहा कि जनसंपर्क का महत्व हम सबके जीवन में है। हम लोग भी किसी न किसी रूप में जनसंपर्क करते हैं। उन्होंने ने कहा कि जनसंपर्क का मूलमंत्र 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयारू है'। स्वागत वक्तव्य स्त्री अध्ययन विभाग की सह आचार्य डॉ. सुप्रिया पाठक ने दिया। मुख्य्य अतिथि द्वारा महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। केंद्र के अकादमिक निदेशक ने अतिथि को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह, शॉल और सूत की माला देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जनसंचार विभाग के डॉ. अख्तर आलम एवं आभार ज्ञापन स्त्री अध्ययन विभाग की सह–आचार्य डॉ. आशा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी, डॉ. यशार्थ मंजुल, डॉ सत्यवीर, डॉ विजया सिंह, डॉ. सुरभि विप्लव, जयेन्द्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्त्व, राहुल त्रिपाठी, रश्मि सिंह, प्रत्य्यूष शुक्ल, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, बिरजू प्रसाद, जगजीवन राम प्रजापति, रोहित कुमार, अभिषेक चंद्रा, पीतांबर गौतम, उमेश शर्मा, दीपेश कुमार सहित अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सम्पादकीय.....

बदलेगा मनरेगा

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन–यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है।इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े–लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

न्यायपालिका, मुख्य न्यायाधीश, संविधान और लोकतंत्र की अवमानना

भारत के लोकतंत्र और संविधान पर सत्तारुढ़ भाजपा की तरफ से लगातार प्रहार हो रहे हैं। कभी विपक्ष तो कभी न्यायपालिका इन प्रहारों के सामने ढाल बनकर खड़े हो रहे हैं, ताकि भारत की इस अनमोल धरोहर को बचाकर रखा जाए। लेकिन अब भाजपा ने विपक्ष के साथ–साथ न्यायपालिका को भी अपनी नफरती सोच और जुबान का निशाना बनाया है। बीते गुरुवार भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शीर्ष अदालत पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि श्हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें।...समय आ गया है जब हमारी तीन संस्थाएं–विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फूलें–फलें... किसी एक की ओर से दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है। श्री धनखड़ ने यह टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय के तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल फैसले की आलोचना करते हुए की थी। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद–142 का इस्तेमाल करके वर्षों से लंबित 10 विधेयकों को राष्ट्रपति की श्अनुमति प्रदान की गईश मानकर पारित कर दिया। हालांकि श्री धनखड़ की इस टिप्पणी का एक कारण वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के सरकार से सवाल भी हो सकते हैं। क्योंकि इस अधिनियम के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने केंद्र सरकार से ऐसे सवाल किए जो भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं। जगदीप धनखड़ की टिप्पणी के बाद झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शीर्ष अदालत और मुख्य न्यायाधीश पर बेहद गंभीर आरोप लगाए, उन्होंने कहा कि, च्च्देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।

चीन के बाद अब बांग्लादेश का रूख रूस, अमेरिका और पाकिस्तान की ओर

नित्य चक्रवर्ती

अमेरिका का दक्षिण एशिया विभाग बांग्लादेश पर अपनी भावी नीति के बारे में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए अपना आकलन कर रहा है और ट्रंप के 'प्रिय मित्र' नरेंद्र मोदी के विचारों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस इस समय दो महाशक्तियों समेत दुनिया के प्रमुख देशों से सफलतापूर्वक संपर्क साधकर अपनी कूटनीतिक जीत के बीच हैं। इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में बीजिंग की अपनी यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पूरा समर्थन हासिल करने में बड़ी सफलता मिलने के बाद डॉ. यूनुस ने गुरुवार 17 अप्रैल को दो महत्वपूर्ण विदेशी प्रतिनिधि मंडलों का स्वागत किया– एक पाकिस्तान से और दूसरा अमेरिकी सरकार से। रूसी नौसेना का तीसरा सैन्य प्रतिनिधि मंडल चार दिवसीय यात्रा पर चटगांव में है। हाल के दिनों में ढाका में कूटनीतिक गतिविधियों की ऐसी हलचल कभी नहीं देखी गयी। सबसे महत्वपूर्ण यात्रा अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल की है, जिसका नेतृत्व विदेश विभाग में दक्षिण एशिया मामलों की उप सचिव निकोलचुलिक कर रही हैं। इस वर्ष 20 जनवरी को राष्ट्रपति के पदभार संभालने के बाद ट्रंप–2 शासन से यह पहला उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल था। इससे पहले ट्रंप ने इस वर्ष फरवरी में यह आभास दिया था कि वह बांग्लादेश के मामले में अपने मित्र नरेंद्र मोदी के विचारों को मानेंगे, लेकिन इंटेल प्रमुख तुलसी गबार्ड की रिपोर्ट और पिछले महीने डॉ. यूनुस की बीजिंग यात्रा के बाद हुई चीन–बांग्लादेश की दोस्ती से स्थिति बदल गयी है। अमेरिका का दक्षिण एशिया विभाग बांग्लादेश पर अपनी भावी नीति के बारे में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए अपना आकलन कर रहा है और ट्रंप के 'प्रिय मित्र' नरेंद्र मोदी के विचारों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहा है। अमेरिका भी बांग्लादेश में अपने अनुकूल चुनाव के बाद नयी सरकार बनाने में उतना ही इच्छुक है, जितना चीन कोशिश कर रहा है। अमेरिका जानता है कि चीन ढाका में राजनीतिक खेल में बहुत आगे है और सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में उसके समर्थक हैं। डॉ. यूनुस से बातचीत के अलावा प्रतिनिधि मंडल ने सभी प्रमुख पार्टियों, बीएनपी, जमात और छात्र संगठन नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की नयी गठित पार्टी से बातचीत की। बीएनपी ने इस साल दिसंबर से पहले चुनाव कराने की मांग की, जबकि जमात अगले साल की शुरुआत में चुनाव चाहती थी। केवल एनसीपी ने कहा कि चुनाव उनके प्रस्तावित सुधार उपायों जैसे चुनावी कानूनों और संविधान में बदलाव के लागू होने के बाद कराये जाने चाहिए। अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल अवामी लीग के किसी समूह से मुलाकात करेगा। लेकिन ढाका में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी अवामी लीग के कुछ नेताओं के संपर्क में हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि अमेरिकी दल के ढाका से रवाना होने से पहले एएल नेताओं के साथ एक मुलाकात यात्रा आयोजित की जाये। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की विदेश सचिव अमीना बलूच की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों की स्थापना की तेज गति को जारी रखने का ही एक तरीका है, जो पिछले साल 5 अगस्त को हसीना सरकार के गिरने और 8 अगस्त को डॉ. यूनुस के अंतरिम प्रमुख बनने के तुरंत बाद शुरू हुआ था। एफओसी15 साल बाद होने वाली कूटनीतिक बातचीत है। इसका मतलब यह है कि हसीना के पिछले 15 साल के शासन के दौरान पाकिस्तान के साथ ऐसी कोई बैठक नहीं हुई थी।

अब बिहार के लोग कहेंगे– अमृत भारत है न!

प्रधानमंत्री सहरसा–लोकमान्य तिलक टर्मिनस वर्जन 2.0 अमृत भारत का 24 अप्रैल को करेंगे उद्घाटन

शहर समता। प्रयागराज। भारतीय रेल आमजन की रेल है कृ और यही इसकी सबसे बड़ी ताक़त भी। हर वर्ग के यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए भारतीय रेल अब अत्याधुनिक लेकिन किफायती ट्रेनों की नई शुरुआत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप, 'अमृत भारत ट्रेन' योजना इसी सोच का विस्तार है कृ एक ऐसी ट्रेन सेवा, जो भले ही नॉन–एसी हो, लेकिन सुविधाओं के मामले में किसी एसी या सुपरफास्ट ट्रेन से कम नहीं। आधुनिक डिज़ाइन, उच्च गति और न्यूनतम किराया कृ ये ट्रेनें रेलयात्रा को एक नए अनुभव में बदलने का वादा करती हैं।

भारतीय रेल अगले तीन वर्षों में 100 'अमृत भारत ट्रेनें' चलाने की योजना पर कार्य कर रही है। जो इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। महज 45 पैसे प्रति किलोमीटर के न्यूनतम किराए पर सुपरक्लास अनुभव कृ यही है 'अमृत भारत' की परिकल्पना।

24 अप्रैल, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई के लिए देश की तीसरी अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही बिहार को मिलेंगी दो अमृत भारत ट्रेनों की सौगात।

फिलहाल दरभंगादृआनंद विहार और मालदा टाउनदृ एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच अमृत भारत ट्रेनें सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। अब सहरसा से मुंबई को जोड़ने वाली यह नई ट्रेन वर्जन 2.0 में अपग्रेडेड है, और यह बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के यात्रियों को एक साथ जोड़ने जा रही है।

वर्जन 2.ः है खास

पहले जो दो अमृत भारत ट्रेन सेट बनाए गए थे, उससे यह ज्यादा एडवांस है। इसमें पैसेंजर सेफ्टी और सुविधाओं के लिए कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं। इसमें सुरक्षा के लिहाज से पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाया है। सही समय पर गियर और व्हील की निगरानी की जा सके, इसके लिए ऑनबोर्ड कंडिशनिंग मोनिटरिंग सिस्टम लगाया गया है।

कोच के अंदर की खास बातें

कोचों को ऐसा बनाया गया है, जिससे उसके अंदर बैठे यात्रियों को झटके न लगें

कोच के अंदर लाइटिंग की शानदार व्यवस्था की गई है, जो बरबस मन को मोह लेती है

गार्ड रूम में मॉनिटर और जहां पर सामान रखा जाता है वहाँ सीसीटीवी कैमरे लगे हैं

नास्ते के लिए फोल्ड करने योग्य टेबल लगे हैं ताकि यात्री सुविधाओं का लुत्फ उठा सकें

शौचालयों में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, प्रत्येक यात्री के लिए कोच में मोबाइल होल्ड लगे हैं

दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय बनाए गए हैं ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो

समानता और समरसता का प्रतीक

भारत विविधताओं का देश है, जहां हर वर्ग के लोग रहते हैं कृ कोई अधिक खर्च कर सकता है, तो कोई कम में भी संतुष्ट रहता है। लेकिन भारतीय रेल ने प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास' विज़न को साकार करते हुए, मिडल क्लास और अंत्योदय वर्ग के लिए यह ट्रेन सेवा शुरू की है।

नॉन–एसी ट्रेन में एसी जैसी सुविधाएं, और रफ्तार 130 किमी प्रति घंटे कृ यह ट्रेन भारत के विकास की उस कहानी को आगे बढ़ा रही है, जिसमें कोई पीछे न छूटे।

संवेदनाओं को जोड़ती एक ट्रेन

मुंबई को मिनी भारत यूं ही नहीं कहा जाता कृ यह शहर देश के कोने–कोने से आए लोगों का घर है। बिहार के लाखों परिवारों की आजीविका मुंबई से जुड़ी है। रोज़गार, शिक्षा और व्यवसाय के सिलसिले में वे वर्षों से मुंबई जाते रहे हैं। ऐसे में सहरसादृएलटीटी अमृत भारत ट्रेन केवल दूरी नहीं घटाएगी, बल्कि दिलों को जोड़ेगी।

त्योहारों पर घर लौटने की इच्छा, विवाह या पारिवारिक आयोजनों में शामिल होने का सपना अब 'वेटिंग लिस्ट' की बाधा में नहीं फंसेगा। यह ट्रेन उन सभी लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आई है, जो अब मुस्कुराकर कहेंगे – अब चिंता नहीं, अमृत भारत है न!

नमो भारत रैपिड रेलः

इंटरसिटी ट्रेवल का नया सारथी

दो शहरों के बीच तेज रफ्तार आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। जो मेट्रो शहरों से दूर देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। बिहार में दूसरी नमो भारत रैपिड रेल के संचालन से उत्तर बिहार के विकास को नए पंख लगने वाले हैं।

मॉडर्न सुविधाओं से लैस यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2 हजार से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। 110 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद–भुज के बाद यह देश की दूसरी श्नमो भारतश रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी।

नमो भारत क्या है?

यह अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इंटरसिटी ट्रेन है। जो एक राज्य के दो शहरों को कनेक्ट करती है। इसके संचालन से देश के आंतरिक इलाकों में यात्रियों को मेट्रो शहर जैसी ट्रांसपोर्ट सुविधा मिलती है।

नमो भारत तेज़ एक्सेलरेशन और ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की ज़रूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिज़ाइन सीटें लगी हैं। टाइप–ः और टाइप–। चार्जिंग सॉकेट्स और खड़े यात्रियों के लिए स्पेशल हैंडल्स इसे बेहद सुविधाजनक बनाते हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित मॉड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, और डस्ट–प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है।

इस ट्रेन की एक खासियत इसका श्कवचश सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इससे हादसे की आशंका जीरो हो जाती है।

इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिटेक्शन, सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक–बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी–परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है।

ट्रेन में रूट–मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे कृ यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। आपातकालीन लाइटिंग, एलईडी लाइटिंग और अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से यात्रियों को एक शांत और रोशनी से भरा माहौल मिलता है।

नए बिहार की ओर

'नमो भारत रैपिड रेल' सेवा उत्तर बिहार को राज्य की राजधानी पटना से सीधे और तीव्र गति से जोड़ती है। यह कनेक्टिविटी स्थानीय निवासियों को राजधानी के शिक्षा, चिकित्सा, न्याय और प्रशासनिक सेवाओं से बेहतर तरीके से जोड़ने का कार्य करेगी।

साथ ही उत्तर बिहार की स्थानीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार देगी। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। स्थानीय हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद, और छोटे उद्यमियों को बड़ा बाज़ार मिलेगा। यह नई रेल सेवा केवल एक नई ट्रेन नहीं है, बल्कि आर्थिक विकास, यात्रियों की सहूलियत और आधुनिक भारत की प्रगति का प्रतीक है।

नमो भारत टे दिल्ली मेट्रो, ईएमयू और मेमू

नमो भारत ज्यादा एडवांस्ड है। इसमें एल्यूमीनियम से बना हल्का बॉडी स्ट्रक्चर है, जबकि पारंपरिक ईएमयू और मेमू ट्रेनों में स्टील की बॉडी होती है। इसकी स्पीड क्षमता 110–130 किमी/घंटा तक है, जबकि दिल्ली मेट्रो, ईएमयू और मेमू की अधिकतम गति आमतौर पर 80–100 किमी/घंटा तक सीमित होती है। नमो भारत में अत्याधुनिक ड्राइविंग सिस्टम, कम शोर, और बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम मौजूद हैं, जो यात्रियों को अधिक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करते हैं। नमो भारत में आधुनिक सुविधाएं जैसे स्वचालित दरवाजे, एयर कंडीशनिंग, सीसीटीवी, और यात्री सूचना प्रणाली शामिल हैं। जो दिल्ली मेट्रो और अन्य पारंपरिक उपनगरीय ट्रेनों से इसे अलग बनाती हैं।

यात्रियों के लिए फायदा

1. 110 किमी/घंटे की रफ्तार
2. 16 कोच, 2000+ यात्री क्षमता
3. हर कोच में ऑटोमैटिक दरवाजे
4. पूरी तरह एयर कंडीशन्ड
5. मोबाइल चार्जिंग सॉकेट्स
6. ओपन लाइन रेलवे में पहली बार – रूट–मैप इंडिकेटर सुविधा

सुरक्षा की गारंटी

1. श्कवचश सिस्टम से लैस
2. सीसीटीवी, फायर डिटेक्शन सिस्टम
3. आपातकालीन टॉक–बैक सिस्टम
4. झटकों से बचाने के लिए सेमी–परमानेंट कपलर्स

'अमृत भारत ट्रेन'

'अमृत काल की अनुपम सौगात'

अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। जो आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं।

अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिज़ाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है।

पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा– ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है।

तकनीक से बढ़ी सुरक्षा

अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और म्–असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर–एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।

हर स्थिति में आरामदायक यात्रा

अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी–ऑटोमैटिक काउपलर का उपयोग किया गया है। ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है।

रफ्तार के सारथी 2 इंजन

यह ट्रेन एक एलएचबी पुश–पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का सारथी बनाती है।

यात्री सुविधाओं की सौगात

2.0 ट्रेन को श्सबका साथ, सबका विकासश की भावना के साथ अपडेट किया गया है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, 160ज्ञछ एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो–न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल–आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके।

एक नजर में

गति अधिकतम 130 किमी/घंटा

पूरी तरह सील गैंगवे

अधिक गद्देदार बर्थ

22 कोच वाली ट्रेन

मिडिल क्लास और अंत्योदत्य को तोहफा

1000 झड की यात्र करीब 450 रुपये में संभव

पहली बार

स्भ्ठ कोच में इमरजेंसी टॉकबैक सिस्टम

भारतीय रेल में सेमी–ऑटोमैटिक काउपलर टाइप 10 हेड

नॉन एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम

भारतीय रेल में बाहरी इमरजेंसी लाइट्स

नॉन एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम

म्–असिस्टेड ब्रेक सिस्टम

स्वदेशी अभियान

अमृत भारत ट्रेन मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में निर्माण किया गया है।

"जो लोग अक्सर अपने काम के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करते हैं और जिनकी उतनी आय नहीं है, वे भी आधुनिक सुविधाओं व आरामदायक यात्रा के हकदार हैं। इन ट्रेनों को गरीबों के जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।"

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"अमृत भारत ट्रेनें कम आय वाले और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए हैं। ये बहुत सस्ती सेवा और बहुत उच्च गुणवत्ता वाली यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी।"

– श्री अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री

बिहार

दुनिया में ज्ञान की गंगा बिहार के नालंदा और विक्रमशिला से बही। वह बिहार जहां लोकगीतों की मिठास और माटी की सौंधी खुशबू अब भी आत्मा को छू जाती है। यहां का इतिहास जितना गौरवशाली है, भविष्य उतना ही संभावनाओं से भरा है। इस संस्कृति–समृद्ध भूमि के लोगों ने हर युग में भारत के निर्माण में योगदान दिया है। अब भारतीय रेल अमृत भारत ट्रेनों के जरिए उसे गति देते हुए आम आदमी को प्रीमियम यात्रा का अनुभव दे रही है। यह ट्रेन बिहार के मेहनती, संघर्षशील और सपनों से भरे यात्रियों के लिए सम्मान का प्रतीक बनकर आई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 अप्रैल को बिहार को एक और नई उड़ान देने जा रहे हैं। मधुबनी से वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सहरसा से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस तक चलने वाली अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह बिहार की दूसरी अमृत भारत ट्रेन होगी, जो उस बदलाव की गति को और तेज़ करेगी, जिसकी चाहत लंबे समय से इस राज्य के नागरिकों के दिल में रही है। जो बिहार की सांस्कृतिक राजधानी मिथिलांचल को भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधे जोड़ेगी।

बिहार की झोली में 2 अमृत ट्रेनें

दरभंगा से वाया अयोध्या आनंद विहार टर्मिनल (चल रही)

सहरसा से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस (प्रस्तावित)

पंजाबी एक्ट्रेस हिमांशी खुराना का फूटा गुस्सा, पोस्ट शेयर कर बोलीं- बेहद घिनौना, बेशर्म और बेकार इंसान...

> हिमांशी अक्सर अपनी बात खुलकर सोशल मीडिया पर रखती हैं। इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए बिना किसी का नाम लिए, पंजाब इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा, 'पंजाबी इंडस्ट्री में एक मूर्ख है, जो बेहद घिनौना, बेशर्म और बेकार इंसान है। वो स्टार्स के बीच घूमता है और दावा करता है कि वह उन्हें गानों और फिल्मों में काम दिलाता है।

पंजाबी सिंगर और एक्ट्रेस हिमांशी खुराना एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वो अपने किसी ब्रेकअप को लेकर नहीं, बल्कि पंजाब फिल्म इंडस्ट्री के एक व्यक्ति पर गुस्सा जाहिर करने के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। हिमांशी अक्सर अपनी बात खुलकर सोशल मीडिया पर रखती हैं। इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए बिना किसी का नाम लिए, पंजाब इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा, श्पंजाबी इंडस्ट्री में एक मूर्ख है, जो बेहद घिनौना, बेशर्म और बेकार इंसान है। वो स्टार्स के बीच घूमता है और दावा करता है कि वह उन्हें गानों और फिल्मों में काम दिलाता है।हिमांशी ने यह भी बताया कि वो व्यक्ति कलाकारों की निजी जानकारी का दुरुपयोग करता है और नई लड़कियों को गुमराह करता है। उन्होंने लिखा, श्मुझे पता चला कि वह लंबे समय से मेरे बारे में झूठी बातें फैलाकर नई लड़कियों को गुमराह कर रहा है। वह कहता है कि सारे पंजाबी स्टार्स उसके कंट्रोल में हैं। मैंने कई बार उसे नजरअंदाज किया, लेकिन अब सहन नहीं हो रहा। मेरी टीम को किसी लड़की ने उसका मैसेज भेजा, तभी मैंने ये पोस्ट लिखने का फैसला किया।हिमांशी ने अपने पोस्ट में उस शख्स से जुड़ी एक पर्सनल जानकारी भी शेयर की। उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति पर उनका पैसा भी बकाया है, अगर आप ये पढ़ रहे हो, तो याद रखो, तुम पर आज भी मेरा पैसा बकाया है। मैंने एक बार में तुम्हें 10 लाख रुपये उधार दिए थे। कभी कुछ नहीं मांगा, क्योंकि मैं ऐसी ही हूं। याद है लंदन में जब तुम फंसे थे? टिकट के लिए भी पैसे नहीं थे तुम्हारे पास, तब मैंने मदद की थी।हिमांशी ने अपने पोस्ट के आखिर में पंजाबी इंडस्ट्री के बाकी कलाकारों को भी सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, श्मैं तुम्हारा नाम नहीं लेना चाहती, क्योंकि तुम्हें फालतू की पब्लिसिटी नहीं देनी। लेकिन तुम किसी दलाल से कम नहीं हो। सभी कलाकार सतर्क रहें, ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें। इस पोस्ट के बाद हिमांशी खुराना एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई हैं। उनके फैंस उनका समर्थन कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि इंडस्ट्री में ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

करण जौहर की अगली फिल्म में नाग का किरदार निभाएंगे कार्तिक आर्यन, फैंस बोले- धर्म की एकता

काफी कुछ कहने और करने के बाद, बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन आखिरकार धर्मा की फिल्म में नजर आएंगे। दोस्ताना 2 में करण जौहर के साथ काम करने वाले अभिनेता को फिल्म से बाहर कर दिया गया, यहां तक घ्कि जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म भी बंद हो गई और उनके रिश्ते में भी खटास आ गई। लेकिन फिल्म निर्माता और अभिनेता अब अपनी दुश्मनी को भूल चुके हैं और अब श्नागों वाली पिक्चरश में साथ आ रहे हैं। जी हां! आपने सही पढ़ा, कार्तिक आर्यन धर्मा प्रोडक्शंस की अगली फिल्म में सांप की भूमिका में नजर आएंगे।

शहर में एक नया नाग

करण ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया। इसमें शर्टलेस कार्तिक सांपों से भरे एक शहर को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने सिर्फ एक जोड़ी नीली जींस पहनी हुई है और उनकी त्वचा हरे रंग की सांप जैसी है।

कैप्शन में लिखा है, इंसानों वाली पिचरें तो बहुत देख ली, अब देखो नागों वाली पिचर! नागजिला – नाग लोक का पहला कांड... मजा फैलाने आ रहा है – प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद... नाग पंचमी पर आपकी नजरें सस्सिनमास में – 14 अगस्त 2026 को (बहुत सारी फिल्में देखीं) इंसानों के बारे में? अब सांपों के बारे में एक फिल्म के लिए तैयार हो जाइए! नागज़िला – नाग लोक का पहला कांड... कुछ मज़ा फैलाने आ रहा है – प्रियमवदेश्वर प्यारे चंद! इस नाग पंचमी , आपके निकटतम पदमउें में – 14 अगस्त 2026 को!)!

नागजिला के बारे में आपको जो कुछ भी जानना चाहिए

नागजिला में कार्तिक आर्यन को प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद के पहले कभी न देखे गए अवतार में दिखाया गया है, जो एक इच्छाधारी (आकार बदलने वाला) नाग है जो एक महाकाव्य साहसिक कार्य पर निकलता है। इस अनोखी फंतासी कॉमेडी का निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा ने किया है और गौतम मेहरा ने इसे लिखा है। इससे पहले बॉलीवुड हंगामा ने बताया था कि इस भूमिका के लिए अक्षय कुमार से संपर्क किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि उन्हें इसमें साँप का कनेक्शन पसंद नहीं आया। बॉलीवुड हंगामा ने एक सूत्र के हवाले से दावा किया है, षनिर्देशक मृगदीप सिंह लांबा की अगली फिल्म के लिए अक्षय कुमार पहली पसंद थे। वे कुछ समय से चर्चा में थे, हालाँकि, उन्होंने अंततः पीछे हट गए। वे साँप बनाम मानव के संघर्ष से सहमत नहीं थे, और जानी दुश्मन के बाद फिर से इस शैली में काम नहीं करना चाहते थे। महावीर जैन और करण जौहर ने अक्षय के साथ कई दौर की बैठकें कीं, और जब उन्होंने आखिरकार पीछे हट गए, तो उन्होंने कार्तिक आर्यन को मुख्य भूमिका में लेकर प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करने का फैसला किया। सूत्र ने बताया, ष्कार्तिक को श्आदमी बनाम सांपश का आइडिया पसंद आया और उन्होंने तुरंत फिल्म साइन कर ली। उन्हें लगता है कि भूल भुलैया 2 और 3 के बाद यह उनकी झोली में एक और विजेता है, क्योंकि अलौकिक तत्व बड़े पर्दे के लिए इस सीजन का स्वाद हैं। कार्तिक आर्यन फिलहाल मशहूर फिल्म निर्माता अनुराग बसु के साथ अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं और इस बार वह साउथ की स्टार श्रीलीला के साथ स्क्रीन शेयर कर रहे हैं, जो अपना बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। फिल्म का शीर्षक अभी भी गुप्त है, लेकिन चर्चा है कि यह एक रोमांटिक संगीतमय है।

ईशा कोप्पिकर ने समर वाइब्स के साथ गोल्डन ऑवर को बनाया 'मैंगो ऑवर', तस्वीरें देख लुभाया फैंस का मन

गर्मियों के मौसम की शुरुआत हो चुकी है और बदलते मौसम के साथ लोगों की खाने, पीने और पहनने की चॉइस भी बदल चुकी है। बॉलीवुड हसीनाओं ने भी अपनी तस्वीरों में समर सीजन की वाइब्स देना शुरू कर दिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर दिखाया कि गर्मी की शुरुआत हो गई है। उन्होंने आम खाते हुए की कई तस्वीरें शेयर की, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गईं। फैंस ईशा की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए ईशा कोप्पिकर ने कैप्शन में लिखा–धूप में आम जैसा स्वाद महसूस हो रहा है। गोल्डन ऑवर या मैंगो ऑवर? बताना मुश्किल है। ये दिल मैंगो मोर! इन तस्वीरों में ईशा सिर्फ ग्लैमरस ही नहीं बल्कि खुशियों और गर्मी की सौगात भी बिखेरती नजर आईं। उनकी स्किन पर पड़ती सुनहरी धूप और उनके चेहरे की मुस्कान फैंस का खूब दिल जीत रही है। इस नो मेकअप वाले लुक में भी वह बाकमाल लग रही है। अपनी खूबसूरती के साथ ही वह जिस अंदाज में आम खा रही हैं, वो भी फैंस को खूब लुभा रहा है। ईशा पूरे स्वाद के साथ आम के मजे ले रही हैं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट को अब तक 4 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और फैंस के धडाधड़ कमेंट्स भी आ रहे हैं।

एलन मस्क की मां मेय के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची जैकलीन, मां के निधन के बाद पहली बार भगवान के दर पर लगाई हाजरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस पर कुछ दिनों पहले दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। मां के निधन से एक्ट्रेस बुरी तरह टूट गई थी, जिसके दुख से वह धीरे–धीरे उबर रही है। इसी बीच हाल ही में उन्होंने ईस्टर पर मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस खास मौके को और भी यादगार बना दिया उनकी खास दोस्त मेय मस्क ने, जो कि मशहूर बिजनेसमैन एलन मस्क की मां हैं। मंदिर से मेय के साथ अब जैकलीन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडिस और मेय मस्क मंदिर परिसर में काफी भक्तिमय नजर आ रही हैं। जैकलीन सिर पर दुपट्टा लिए भगवान के सामने हाथ जोड़े प्रार्थना करती नजर आ रही हैं। वहीं, उनके साथ मेय और एक और उनकी फ्रेंड गले में पीला साफा लिए और माथे पर तिलक लगाए काफी खुश दिख रही हैं। इस दौरान जैकलीन गोल्डन और आइवरी कलर के ट्रेडिशनल सलवार सूट में बेहद खूबसूरत और भव्य लग रही हैं। वहीं मेय मस्क ने भारतीय परंपरा का सम्मान करते हुए फ्लोरल प्रिंट वाला आइवरी कुर्ता और पायजामा पहना है। मंदिर दर्शन के बाद, जैकलीन फर्नांडीज ने इस अनुभव को बेहद खूबसूरत और आत्मीय बताया। उन्होंने कहारू "मेरी प्यारी दोस्त मेय के साथ सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन करना एक विशेष अनुभव था। वे अपने बुक लॉन्च के लिए भारत आई हैं और उनके साथ यह आध्यात्मिक क्षण साझा करना मेरे लिए बहुत भावुक था। उनकी किताब ने मुझे यह सिखाया है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। आपके सपने और लक्ष्य कभी रुकने नहीं चाहिए।"गौरतलब है कि मेय मस्क इस समय भारत दौरे पर हैं और उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य है उनकी आत्मकथा के भारतीय संस्करण का लॉन्च। यह किताब, जिसमें उन्होंने एक महिला के तौर पर जीवन की चुनौतियों, संघर्षों और आत्मविश्वास भरी जीतों को शेयर किया है, कई महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी है।

इमरान हाशमी के पावरफुल परफॉर्मेंस को देखने में बस 4 दिन बाकी, ग्राउंड जीरो प्रोमो रिलीज

एक्सेल एंटरटेनमेंट की वॉर ड्रामा ग्राउंड जीरो का ध्माकेदार प्रोमो रिलीज हो गया है, और इसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इमरान हाशमी की अगुवाई में बनी ये फिल्म ठैथ की पिछले 50 सालों की सबसे बहादुरी भरी मिशनों में से एक पर आधारित है। ट्रेलर में एक्शन, जज्बा और इमोशन्स का जबरदस्त मेल दिखता है, जो इसे देशभक्ति से भरपूर और दिल छू लेने वाली कहानी बना देता है। इमरान हाशमी, जो अब तक अपनी अलग–अलग भूमिकाओं के लिए पहचाने जाते रहे हैं, ग्राउंड जीरो में एक नए और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। पहली बार उन्होंने सेना की वर्दी पहनी है, वो भी कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे के किरदार में। प्रोमो में उनका लुक एकदम अलग है, एकदम गंभीर, सख्त और ड्यूटी के प्रति पूरी तरह समर्पित। प्रोमो में बॉर्डर पर टकराव, रणनीतिक मिशन और इमोशनल पल इतने दमदार तरीके से दिखाए गए हैं कि ये कहानी रियल इवेंट्स पर आधारित होते हुए भी पूरी तरह सिनेमाई और असरदार लगती है। फिल्म ग्राउंड जीरो की थियेटर में रिलीज में अब बस 4 दिन बचे हैं, और इसी बीच मेकर्स ने इसका दमदार प्रोमो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है।ग्राउंड जीरो एक ऐसी बीसएफ मिशन की कहानी है, जहां हिम्मत और जज्बे की असली परीक्षा हुई। इमरान हाशमी जहां कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे के रोल में नजर आएंगे, वहीं साई तम्हणकर उनकी पत्नी का किरदार निभा रही हैं कृ जो कहानी में एक इमोशनल गहराई और इंसानी जुड़ाव लेकर आती हैं। ये रोल उस चुपचाप सहन करने वाली ताकत और बलिदान की याद दिलाता है जो फौजियों के पीछे खड़ी होती है। तेजस देवस्कर के निर्देशन में बनी ग्राउंड जीरो में जबरदस्त एक्शन और बारीकी से बुनी गई कहानी का मेल देखने को मिलेगा। ये फिल्म भारतीय सुरक्षा बलों के जज्बे को सलाम करती है। प्रोमो में खौफनाक घाटियां, सीक्रेट ऑपरेशंस और जंग के मनोवैज्ञानिक असर की झलक मिलती है, जिसे दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक और भी असरदार बना देता है। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रस्तुत कर रहा है ग्राउंड जीरो, जिसे रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन किया है तेजस देवस्कर ने। इस वॉर ड्रामा को कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी. सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय ने को–प्रोड्यूस किया है। ग्राउंड जीरो 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं है गुनगुना पानी! जानें किन लोगों को करना चाहिए अवॉयड

गुनगुना पानी पीना सेहत के लिए आमतौर पर फायदेमंद माना जाता है। यह पाचन को सुधारता है, वजन घटाने में मदद करता है, और शरीर को डिटॉक्स करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गुनगुना पानी हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता? हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, कुछ लोगों को इसे पीने से परहेज करना चाहिए, क्योंकि इसका उल्टा असर हो सकता है और यह उनकी सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए जानते हैं कि कौन से लोग गुनगुना पानी पीने से बचें।

हार्ट पेशेंट्स

गुनगुना पानी शरीर में ब्लड फ्लो को बढ़ा सकता है। अगर किसी व्यक्ति को हार्ट से जुड़ी समस्याएं हैं, तो गर्म पानी उनका ब्लड प्रेशर असंतुलित कर सकता है। इससे चक्कर, थकान या बेचौनी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में हार्ट पेशेंट्स को गुनगुना पानी पीने से बचना चाहिए।

लो ब्लड प्रेशर वाले लोग

अगर आपका ब्लड प्रेशर हमेशा लो रहता है, तो गुनगुना पानी आपकी कंडीशन को और बिगाड़ सकता है। गर्म पानी नसों को फैलाता है, जिससे ब्लड प्रेशर और नीचे गिर सकता है, जो कि एक खतरनाक स्थिति हो सकती है। इसलिए, ऐसे लोगों को गुनगुना पानी पीने से परहेज करना चाहिए।

डिहाइड्रेशन या कमजोरी से जूझ रहे लोग

गुनगुना पानी शरीर की गर्मी को बढ़ा सकता है, जिससे पसीना ज्यादा आता है। पसीने के कारण डिहाइड्रेशन और बढ़ सकता है, जो पहले से ही कमजोर या डिहाइड्रेटेड लोगों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, जब डिहाइड्रेशन हो या कमजोरी महसूस हो, तो गुनगुना पानी पीने से बचें और ठंडा या सामान्य तापमान वाला पानी पिएं।

तेज बुखार या इंफेक्शन वाले लोग

जब शरीर में तेज बुखार हो, तो शरीर पहले ही गर्म होता है। ऐसे में गुनगुना पानी पीने से बुखार और बढ़ सकता है। डॉक्टर अक्सर बुखार में नॉर्मल टेम्परेचर वाला पानी पीने की सलाह देते हैं। इसलिए, तेज बुखार या इंफेक्शन होने पर गुनगुना पानी पीने से बचना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाएं

प्रेग्नेंट महिलाएं, खासकर शुरुआत के महीनों में, गुनगुना पानी पीने से बचें। हालांकि सामान्य रूप से गुनगुना पानी से कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन बहुत गर्म पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है, जो गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी के दौरान नॉर्मल या ठंडा पानी पीना बेहतर होता है।

अगर मौसम पहले से बहुत गर्म है

गर्मी के मौसम में पहले से ही शरीर में हीट होती है। ऐसे में गुनगुना पानी पीने से शरीर में और अधिक गर्मी बढ़ सकती है, जिससे हीट स्ट्रोक या सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए गर्मी के मौसम में गुनगुना पानी कम से कम पीने की कोशिश करें और सामान्य पानी पीने का ध्यान रखें। गुनगुना पानी के बहुत सारे फायदे होते हैं, जैसे पाचन में मदद करना, वजन घटाना और शरीर को डिटॉक्स करना, लेकिन यह सभी के लिए फायदेमंद नहीं होता। कुछ लोग, जैसे हार्ट पेशेंट्स, लो ब्लड प्रेशर वाले, डिहाइड्रेटेड लोग और प्रेग्नेंट महिलाएं को गुनगुना पानी पीने से बचना चाहिए, क्योंकि यह उनकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। हमेशा अपनी सेहत के हिसाब से ही गुनगुना पानी पिएं और डॉक्टर की सलाह लें।

प्राकृतिक सुंदरता, ठंडे मौसम और शांति के लिए प्रसिद्ध है कोडाइकनाल

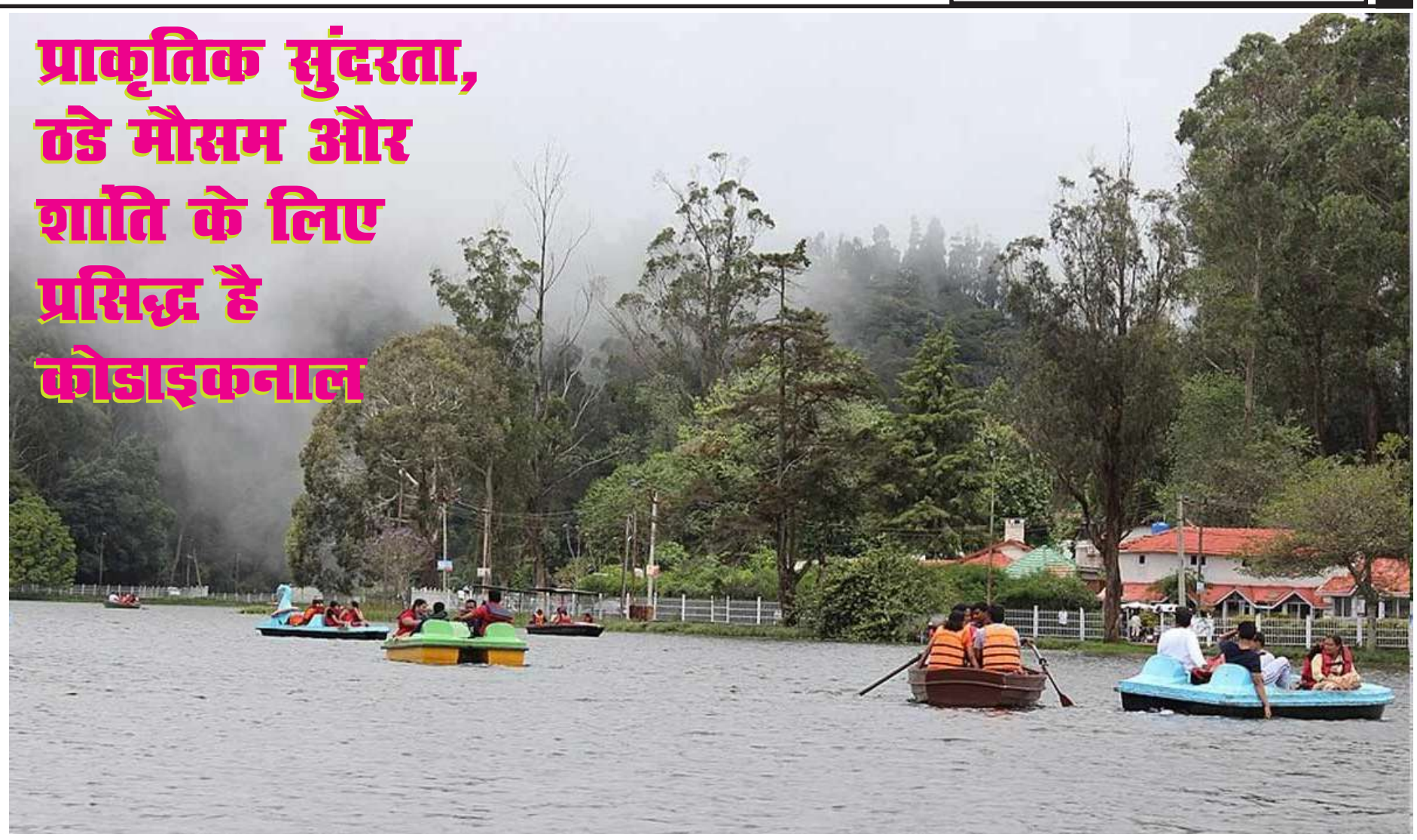

कोडाइकनाल, तमिलनाडु राज्य के पश्चिमी घाट में स्थित एक खूबसूरत पर्वतीय स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ठंडे मौसम और शांति के लिए प्रसिद्ध है। इसे ष्दक्षिण भारत का शिमलाष भी कहा जाता है। यहां की हरी–भरी पहाड़ियाँ, झीलें, जलप्रपात और वन्यजीव अभयारण्य इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। कोडाइकनाल उन पर्यटकों के लिए स्वर्ग जैसा है जो प्रकृति के बीच शांति और सुकून की तलाश करते हैं। आइए जानते हैं कोडाइकनाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कोडाइकनाल झील

कोडाइकनाल की सबसे प्रसिद्ध स्थल है कोडाइकनाल झील। यह झील पूरे शहर के केंद्र में स्थित है और यहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। झील के चारों ओर सुंदर बगीचे और ट्री–लाइन पथ हैं, जहां आप सैर कर सकते हैं। यह स्थान परिवारों और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए आदर्श है। झील के किनारे स्थित कैफे और दुकानों से यहां के सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है।

2. ब्रायंट पार्क

ब्रायंट पार्क कोडाइकनाल का एक सुंदर बाग–बगिचा है, जहां फूलों और पौधों की एक अद्भुत विविधता देखने को मिलती है। यह पार्क झील के पास स्थित है और यहां की ताजगी और शांति पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। यह स्थान फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए भी आदर्श है, क्योंकि यहां की हरियाली और रंग–बिरंगे फूल किसी चित्र के जैसे दिखते हैं। पार्क में एक विशेष फूल मेला भी आयोजित होता है, जो पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है।

3. सुहाना पहाड़ी

सुहाना पहाड़ी, जिसे कोकर वॉक भी कहा जाता है, कोडाइकनाल की एक प्रसिद्ध सैरगाह है। यह एक संकीर्ण मार्ग है, जो पहाड़ी की चोटी से गुजरता है और यहां से आप कोडाइकनाल का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। इस स्थल से आपको पूरे शहर का दृश्य और घाटियों का शानदार नज़ारा मिलता है। यह स्थल ट्रैकिंग और सैर के शौकिनों के लिए आदर्श है। विशेष रूप से सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहां का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है।

4. पिलर रॉक

पिलर रॉक, कोडाइकनाल का एक प्रसिद्ध स्थल है, जो विशाल और ऊंची चट्टानों का समूह है। ये चट्टानें लगभग 400 फीट ऊंची हैं और इनका दृश्य बहुत ही अद्भुत और आकर्षक होता है। पर्यटक यहां ट्रैकिंग और फोटोग्राफी का आनंद ले सकते हैं। यह स्थल कोडाइकनाल के आकर्षणों में से एक है और यहां का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है।

5. साइलेंट वैली व्यू

साइलेंट वैली व्यू कोडाइकनाल का एक शांतिपूर्ण और खूबसूरत स्थल है, जहां से आप पूरी घाटी का सुंदर दृश्य देख सकते हैं। यह स्थान पूरी तरह से प्रकृति के बीच स्थित है, जहां आपको शांति और एकांत का अनुभव होता है। यह स्थल विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो प्रकृति से जुड़ी शांति की तलाश में होते हैं।

6. गोल्डन वैली और वाटरफॉल

कोडाइकनाल के पास स्थित गोल्डन वैली और जलप्रपात एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां की घाटियां और गिरते हुए पानी के झरने बहुत ही सुंदर और आकर्षक होते हैं। यह स्थल ट्रैकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। झरने के पास ठंडी हवा और शांत वातावरण में समय बिताना एक बेहतरीन अनुभव होता है।

7. वैली व्यू

वैली व्यू, कोडाइकनाल के प्रमुख दृश्य स्थलों में से एक है। यहां से आपको कोडाइकनाल की घाटियों और पहाड़ियों का खूबसूरत दृश्य दिखाई देता है। यह स्थल विशेष रूप से सूर्योदय और सूर्यास्त के समय शानदार होता है। यहां से पहाड़ों के बीच फैली हरी–भरी घाटियों का दृश्य बहुत ही अद्वितीय होता है।

8. शिवाजी पार्क

शिवाजी पार्क कोडाइकनाल का एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जो झील के पास स्थित है। यह एक खूबसूरत पार्क है, जहां आप बच्चों के साथ आराम से समय बिता सकते हैं। यहां खेलकूद के सामान और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह स्थल परिवारों के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

9. कुन्नू वॉटरफॉल

कुन्नू जलप्रपात कोडाइकनाल के पास स्थित एक और आकर्षक स्थल है। यहां पानी के गिरने की आवाज और आसपास का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यह झरना मुख्य रूप से ट्रैकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकिनों के लिए एक बेहतरीन स्थल है।

10. नैकलूट

नैकलूट कोडाइकनाल के पास स्थित एक खूबसूरत गांव है। यहां के परिवेश में शांति और प्राकृतिक सौंदर्य की कोई कमी नहीं है। यह स्थान प्राकृतिक प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए आदर्श है। यहां की शांति और हरियाली आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। कोडाइकनाल एक ऐसा स्थल है, जहां प्रकृति, शांति और साहसिक अनुभवों का अद्भुत मिश्रण मिलता है। यहां के पहाड़ी दृश्य, झील, जलप्रपात, और पार्क पर्यटकों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। यदि आप शांति और ठंडी जलवायु के बीच प्रकृति का आनंद लेना चाहते हैं, तो कोडाइकनाल आपके लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल हो सकता है। यहां की हवा, वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य आपके मन को शांति और ताजगी से भर देंगे।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये 5 पत्ते, जानें इनके चमत्कारी फायदे

हमारे आस–पास कई ऐसे पौधे और पत्ते होते हैं जो हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें से कुछ पत्ते ऐसे होते हैं जिनके उपयोग से न सिर्फ हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है, बल्कि ये कई बीमारियों से भी बचाते हैं। आज हम आपको 5 ऐसे पत्तों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं। आइये जानते है इन पत्तों के बारे मे

बेल पत्र

बेल के पत्ते का सेवन कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है। यह आयुर्वेद में बहुत महत्व रखता है और विशेष रूप से पेट संबंधी समस्याओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। बेल के पत्तों में पेट को शांत करने और कब्ज को दूर करने की क्षमता होती है। यह पेट के अल्सर और गैस की समस्या को कम करने में मदद करता है। बेल के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की इम्यून सिस्टम को बढ़ाते हैं। यह खून को साफ करने का काम करता है और त्वचा पर मुंहासे आदि की समस्या को कम करता है।

पान के पत्ते

पान के पत्ते भारतीय संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। यह न केवल ताजगी और स्वाद प्रदान करते हैं, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं। दांतों और मसूड़ों के लिए फायदेमंदरू पान के पत्तों में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो दांतों और मसूड़ों की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। पान के पत्तों का सेवन पेट की समस्याओं को दूर करता है और पाचन को बेहतर बनाता है। यह सांसों को ताजगी प्रदान करता है और माउथ फ्रेशनर के रूप में उपयोगी है। पान के पत्तों में फाइबर होता है, जो वजन घटाने में सहायक होता है।

करी पत्ते

करी पत्ते एक बहुमूल्य औषधि के रूप में जाने जाते हैं। यह न केवल स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी लाभकारी होते हैं। करी पत्तों का सेवन बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों की झड़ने की समस्या को कम करता है और उन्हें स्वस्थ बनाता है। करी पत्ते पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं और अपच की समस्या को दूर करते हैं। ये शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। करी पत्तों का सेवन ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करता है।

तुलसी

तुलसी को संतुलन का पौधा कहा जाता है और यह आयुर्वेद में एक विशेष स्थान रखता है। यह न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है। तुलसी के पत्ते शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं और संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी का सेवन श्वास संबंधी समस्याओं जैसे खांसी, जुकाम और अस्थमा में मदद करता है। तुलसी का सेवन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। यह रक्तदाब को नियंत्रित करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है।

पुदीना

पुदीना एक ताजगी देने वाली हर्ब है और यह हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। यह हर घर में आसानी से पाया जाता है और इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के भोजन और पेय पदार्थों में किया जाता है। पुदीना पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और पेट की ऐंठन तथा गैस की समस्या को दूर करता है। पुदीना सांसों को ताजगी देता है और माउथ फ्रेशनर के रूप में काम आता है। पुदीना त्वचा पर होने वाले दाने और मुंहासों को कम करता है। यह चेहरे को ताजगी और निखार प्रदान करता है। पुदीना गर्मी में शरीर को ठंडक प्रदान करता है और लू से बचाने में मदद करता है।

तो, इन पत्तों का सेवन जरूर करें और अपने शरीर को सेहतमंद रखें!

डिस्कलेमरः यह लेख केवल सूचना देने के उद्देश्य से है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए कृपया विशेषज्ञ से परामर्श लें।

भरवां सब्जियों को बनाते समय जरूर फॉलो करें ये टिप्स, बाहर नहीं आएगी स्टफिंग

भारतीय थाली में कई तरह की सब्जियां मिलती हैं। इन सब्जियों को बनाने का तरीका भी अलग–अलग होता है। वहीं कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिनको कई स्टाइल से बनाया जाता है। वहीं इन सब्जियों को यूनिक तरीके से बनाने पर इनका स्वाद भी बढ़ जाता है। हालांकि इस तरीके से सब्जियों को बनाने में समय भी चला जाता है ऐसे में अब आप सोच रहे होंगे कि हम किस तरह की सब्जियों की बात कर रहे हैं। दरअसल, आज हम भरवां सब्जियों के बारे में बात कर रहे हैं, जोकि अधिकतर घरों में बनाई जाती हैं। इन सब्जियों को बनाने में मेहनत और समय दोनों ही लगते हैं। लेकिन स्टफिंग वाली सब्जियों का स्वाद ही अलग होता है। लेकिन भरवां सब्जियों को बनाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जब भी हम भरवां सब्जियां बनाते हैं तो उनकी स्टफिंग पकाते समय बाहर आ जाती है। जिससे सब्जी भी खराब हो जाती है और इसका मसाला भी खराब हो जाता है, क्योंकि वह जलने लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप भरवां सब्जियों में से मसाले को बाहर निकलने से बचा सकती हैं।

टूथपिक से करें बंद

जब भी भरवां सब्जियां बनाएं तो उसमें मसाला आदि भरने के बाद उसको टूथपिक की सहायता से बंद करें। फिर इसको तेल में डालकर पका लें। ऐसा करने से मसाला सब्जियों से बाहर नहीं आएगा।

भूनकर भरें मसाला

भरवां भिंडी, बैंगन, करेला और शिमला मिर्च में जो मसाला या आलू की स्टफिंग भर रही हैं। तो इसको पहले अच्छे से भून लेने के बाद ही सब्जी में भर लें। ऐसा करने से न सिर्फ स्वाद बढ़ेगा बल्कि मसाला अच्छे से भुन जाने के बाद उसमें नमी नहीं रहेगी। इससे सब्जियों में की गई स्टफिंग कुक करते समय बाहर नहीं आएगी।

बेसन को स्टफिंग में करें मिक्स

भरवां सब्जियों की स्टफिंग में बेसन भी भर सकती हैं। ऐसा करने से आपका मसाला अच्छे से बाइंड हो जाएगा और वह बाहर निकलकर सब्जी को खराब नहीं करेगा।

पकाने का तरीका

भरवां सब्जियों को हमेशा एकदम धीमी आंच पर पकाना चाहिए और ध्यान रखें कि वह इतने ज्यादा न पक जाएं कि यह गल जाएं। वहीं भरवां सब्जियों को पकाते समय इसे बार–बार पलटना नहीं चाहिए। ऐसा करने से भी स्टफिंग बाहर आने लगती है।

संक्षिप्त

एक्स को 'भारत में नंबर 1 न्यूज़ ऐप' बताने वाले पोस्ट पर एलन मस्क ने दी ये प्रतिक्रिया

स्पेसएक्स और एक्स के मालिक एलन मस्क ने अपने प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट के शेयर होते ही फिर से चर्चा तेज हो गई है। इस पोस्ट में एलन मस्क ने ये दावा किया है कि प्लेटफॉर्म भारत में "ऐपस्टोर पर रु 1 समाचार ऐप" के तौर पर सामने आया है। इस मामले पर एक एक्स यूजर ने प्लेटफॉर्म पर लिखा कि ब्रेकिंगः एक्स अब भारत में ऐपस्टोर पर रु1 समाचार ऐप है। आमतौर पर इस एक्स यूजर को एलन मस्क से कई सवालों के जवाब भी मिलते रहे है। एक्स यूजर ने भारत के धव्ज का वीडियो भी शेयर किया है। एलन मस्क ने सिर्फ एक वर्ड लिखते हुए इसे शेयर कर लिखा, कूल।

सोशल मीडिया पर आए ये रिस्पॉन्स

एलन मस्क की टिप्पणी के बाद कई अन्य यूजर्स ने भी फीडबैक दिया है। यूजर्स ने सफलता जश्न मनाया है। वहीं कई अन्य भारतीय यूजर्स के लिए जियोब्लॉकिंग या आईपी प्रतिबंध की मांग भी की गई है। इसका मुख्य कारण सांस्कृतिक मतभेद और ऑनलाइन संवाद पर तनाव मुख्य कारण है।

मस्क–मोदी की वीडियो कॉन्फ्रेंस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने इससे पहले 18 अप्रैल को ही कॉन्फ्रेंसिंग की थी। इस दौरान दोनों के बीच अंतरिक्ष, नवाचार, प्रौद्योगिकी और गतिशीलता क्षेत्र को लेकर चर्चा भी हुई थी।

लुढ़ककर संभला घरेलू शेयर बाजार, शुरुआती गिरावट के बाद सेंसेक्स–निफ्टी ने लगाई छलांग

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को लाल निशान के साथ कारोबार की शुरुआत की। हालांकि, धीरे–धीरे बाजार सकारात्मक रुख पर लौट आया। शुरुआती गिरावट के बाद सेंसेक्स–निफ्टी ने छलांग लगाई और हरे निशान पर पहुंचे।

शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी

विदेशी फंड के लगातार प्रवाह और ब्लू–चिप बैंक शेयरों में खरीदारी के बीच निवेशकों की धारणा में तेजी की वजह से मंगलवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स

सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 319.89 अंक चढ़कर 79,728.39 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 76.1 अंक बढ़कर 24,201.65 अंक पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में से इटरनल, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, पावर ग्रिड और एशियन पेंट्स पिछड़ते दिखाई दिए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,970.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक और शंघाई एसएसई कंपोजिट में तेजी रही, जबकि टोक्यो का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग कमजोर रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार में काफी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक कंपोजिट में 2.55 फीसदी की गिरावट आई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2.48 फीसदी और एसएंडपी 500 में 2.36 प्रतिशत की गिरावट आई।

भारत ने स्टील के आयात पर लगाया 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ, 200 दिनों तक रहेगा लागू

नई दिल्ली। भारत ने बेलगाम आयात को रोकने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ लगाया है। इस टैरिफ को स्थानीय रूप से सुरक्षा शुल्क के रूप में जाना जाता है। सरकार ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना भी जारी कर दी। इस फैसले पर केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर 12 प्रतिशत रक्षोपाय शुल्क लगाने के सरकार के फैसले से घरेलू उत्पादकों, मुख्य रूप से एसएमई को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात के कारण भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया में कच्चे स्टील के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक भारत ने कहा कि सोमवार से प्रभावी यह टैरिफ 200 दिनों के लिए लगाया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा, इस अधिसूचना के तहत लगाया गया सुरक्षा शुल्क इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो सौ दिनों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा (जब तक कि इसे पहले ही रद्द, प्रतिस्थापित या संशोधित नहीं कर दिया जाता है)। अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विभिन्न देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लगाए जाने के बाद भारत की तरफ से स्टील पर शुल्क में वृद्धि पहला बड़ा व्यापारिक नीतिगत कदम है। भारत के टैरिफ मुख्य रूप से चीन पर लक्षित हैं जो 2024–25 में दक्षिण कोरिया के बाद भारत को इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था। सरकार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने लगातार दूसरे साल वित्त वर्ष 2024–25 में 95 लाख टन तैयार स्टील का आयात किया, जो नौ वर्ष में सर्वाधिक है। सरकार से भारत के स्टील उत्पादकों ने बेलगाम आयात पर लगाम लगाने की मांग की थी। केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि इस कदम से घरेलू उत्पादकों, खासकर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमों को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात से भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। रक्षोपाय शुल्क बाजार में स्थिरता बहाल करने और घरेलू उद्योग के विश्वास को मजबूत करने में मदद करेगा।

गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 39 रनों से दी पटखनी, गिल–सुदर्शन की धमाकेदार पारी

शुभमन गिल और साई सुदर्शन के बेहतरीन पारी और फिर गुजरात के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस का जीत का कारवां जारी है। सोमवार को आईपीएल 2025 के 39वें मैच में जीटी ने कोलकाता नाइट राइडर्स को उसी के घर में 39 रनों से पटखनी दी। इस जीत से टाइटंस के आठ मैच में 12 अंक हो गए हैं और उसने अंक तालिका के शीर्ष पर दो अंक की बढ़त बना ली है। वहीं नाइट राइडर्स की टीम छह अंक के साथ सातवें स्थान पर है। टॉस गंवाकर गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए। जिसके जवाब में केकेआर निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 159 रन ही बना पाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स ने पारी की पांचवीं गेंद पर ही रहमानुल्लाह गुरबाज (01) का विकेट गंवा दिया जिन्हें मोहम्मद सिराज ने सडू किया। सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण (17) और कप्तान रहाणे ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। रहाणे ने सिराज और इशांत शर्मा पर चौका जड़ने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा पर भी दो चौके मारे। नारायण ने सिराज की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन राशिद खान की गेंद पर राहुल तेवतिया को कैच दे बैठे। नाइट राइडर्स ने पावरप्ले में दो विकेट पर 45 रन बनाए। राशिद की अगुआई में गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर अंकुश लगाया जिससे नाइट राइडर्स की टीम 10 ओवर में दो विकेट पर 68 रन ही बना सकी। रहाणे ने वाशिंगटन सुंदर पर चौका और छक्का जड़कर रन गति बढ़ाने की कोशिश की लेकिन साई किशोर ने वेंकटेश अय्यर (14) को पवेलियन भेज दिया। रहाणे ने वाशिंगटन की गेंद पर एक रन के साथ 36 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया लेकिन एक गेंद बाद वाइड गेंद पर बटलर के हाथों स्टंप हो गए। उन्होंने 36 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। आंद्रे रसेल ने आते ही वाशिंगटन की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ 13 ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। नाइट राइडर्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 85 रन की जरूरत थी। राशिद ने रसेल (21) को बटलर के हाथों स्टंप कराके नाइट राइडर्स को बड़ा झटका दिया जबकि प्रसिद्ध ने रमनदीप सिंह (01) और मोईन अली (00) को पवेलियन भेजा। रघुवंशी ने 18वें ओवर में राशिद पर चौका जबकि रिंकू सिंह (17) ने छक्का जड़ा लेकिन इसके बावजूद नाइट राइडर्स को अंतिम दो ओवर में 60 रन की दरकार थी और टीम लक्ष्य से काफी दूर रही। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी के लिए गिल और सुदर्शन ने पावरप्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। सुदर्शन ने मोईन अली पर पारी का पहला चौका जड़ा और फिर वैभव अरोड़ा पर भी दो चौके मारे जबकि गिल ने हर्षित राणा का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया। गिल ने सातवें ओवर में मोईन को निशाना बनाते हुए लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौके मारे। गिल ने 11वें ओवर में हर्षित की गेंद पर एक रन के साथ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन ने इसी ओवर में छक्के के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया और फिर अगली गेंद पर दो रन के साथ 33 गेंद में अर्धशतक जड़ा। रहाणे ने इसके बाद गेंद आंद्रे रसेल को थमाई जिन्होंने अपनी दूसरी ही गेंद पर सुदर्शन को विकेटकीपर गुरबाज के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। बटलर ने रसेल पर लगातार तीन चौकों के साथ शुरुआत की और फिर हर्षित पर दो चौकों के साथ 15 ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 139 रन तक पहुंचाया। गिल ने वरुण चक्रवर्ती पर लगातार दो चौकों के साथ 16वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। गिल ने अगले ओवर में अरोड़ा की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन अगली गेंद पर रिंकू सिंह को कैच दे बैठे। हर्षित ने अगले ओवर में राहुल तेवतिया को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। बटलर ने अरोड़ा के पारी के अंतिम ओवर में लगातार दो चौके मारे जबकि एम शाहरूख खान (नाबाद 11) ने छक्का जड़कर टीम का स्कोर 200 रन के करीब पहुंचाया।

बल्लेबाजों के लगातार विफल होने पर भड़के कप्तान रहाणे, कहा- बीच के ओवरों में बेहतर बैटिंग की उम्मीद

कोलकाता। आईपीएल 2025 में सोमवार को गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 39 रन से हराकर इस सीजन की अपनी छठी जीत दर्ज की। टीम आठ में से छह मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर है। कप्तान शुभमन गिल के 90 रन की बदौलत गुजरात ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी। डिफेंडिंग चौंपियन कोलकाता की यह आठ मैचों में पांचवीं हार रही। टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। हार के बाद केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे का गुस्सा बल्लेबाजों पर फूटा। उन्होंने कहा कि उन्हें बल्लेबाजों से मध्य के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद थी। रहाणे ने 36 गेंद पर 50 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन कोलकाता को जीत दिलाने के लिए यह काफी नहीं था। बाकी कोई बल्लेबाज नहीं चल सका। हार के बाद रहाणे ने कहा कि उन्हें लगा था कि इस पिच पर 199 रन के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। राशिद खान (25/2) और प्रसिद्ध कृष्णा (25/2) की धारदार गेंदबाजी के सामने नाइट राइडर्स की टीम कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी। शुभमन गिल ने 55 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा साई सुदर्शन (52) के साथ पहले विकेट के लिए 114 और जोस बटलर (नाबाद 41) के साथ दूसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की जिससे गुजरात ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। रहाणे ने मैच के बाद कहा, श्मुझे लगा कि 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। हमने गेंद के साथ मैच में बहुत अच्छी वापसी की।

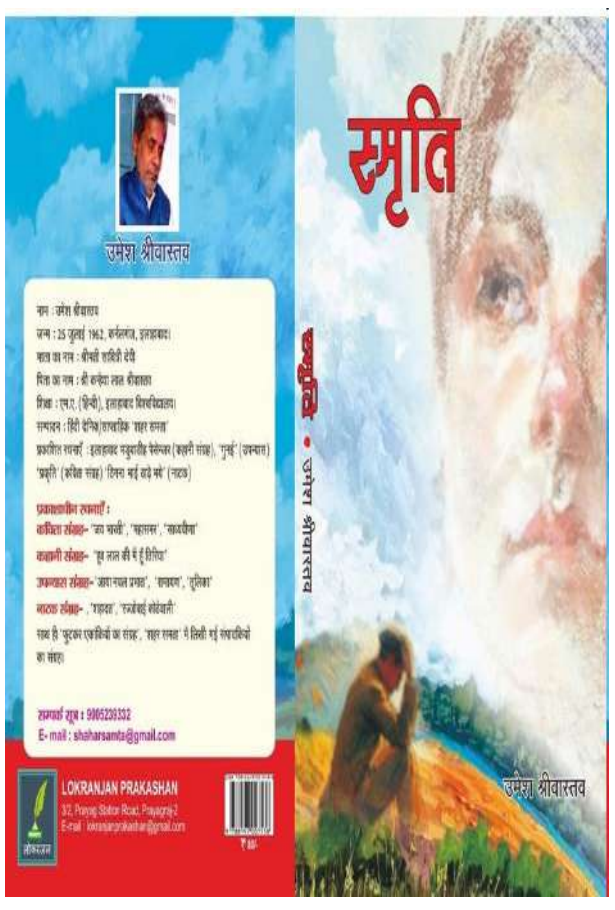

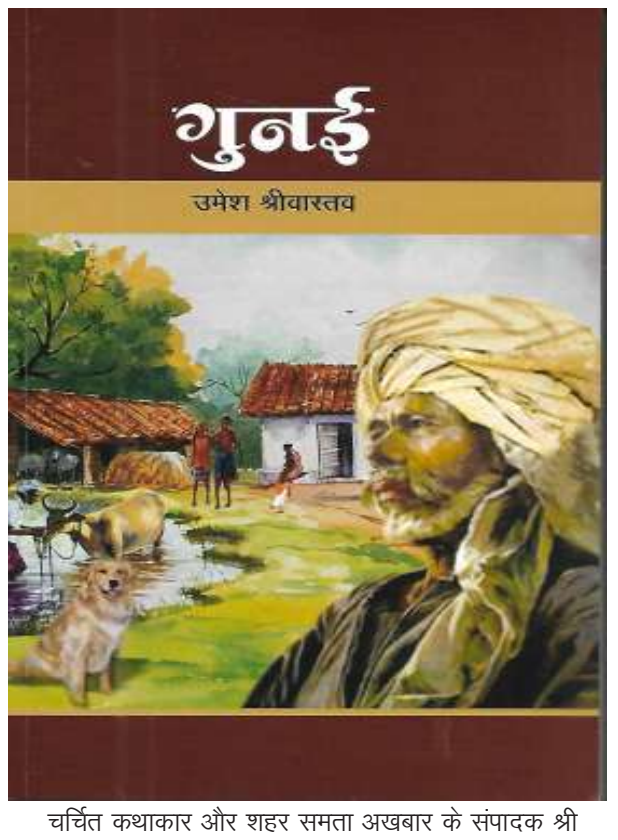

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

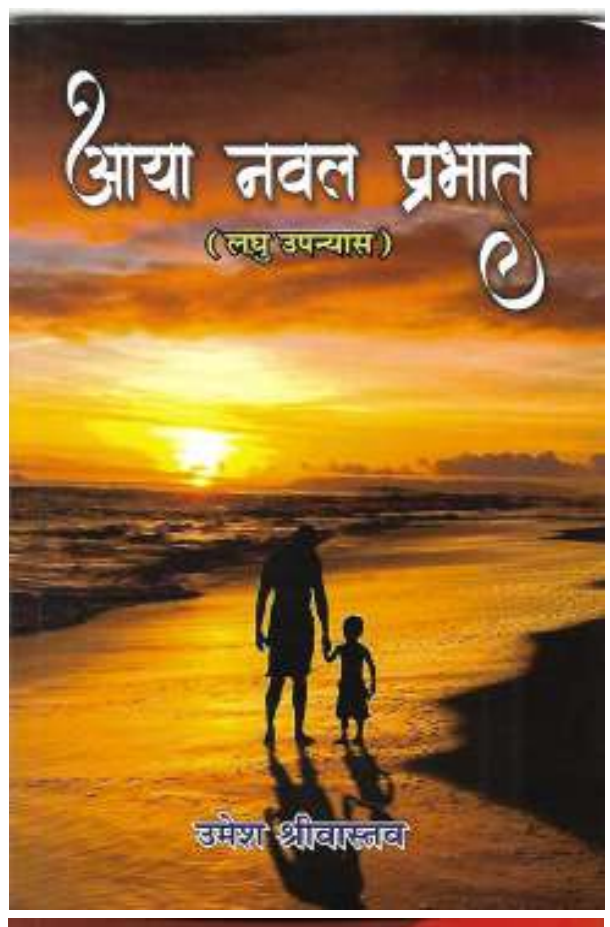

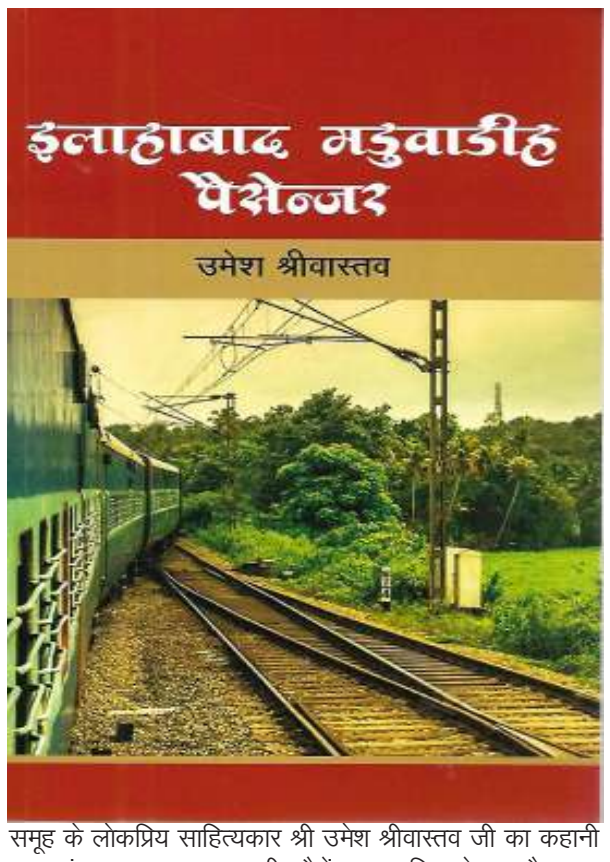

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

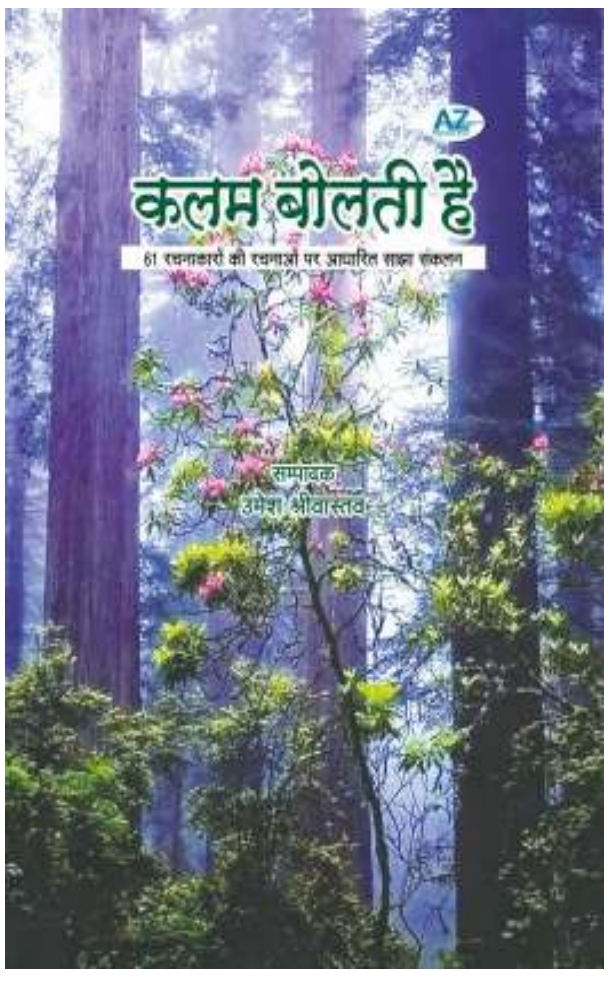

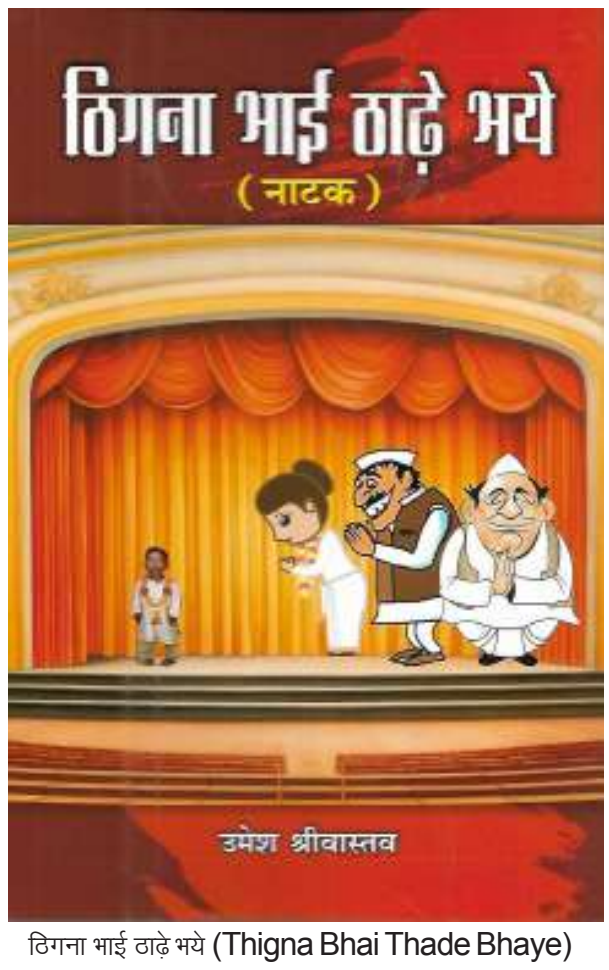

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अगर अमेरिका के दबाव में आए तो... अब चीन ने दी दुनिया को धमकी

डोनाल्ड ट्रंप के साथ टैरिफ युद्ध के बीच, चीन ने उन देशों पर जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी, जो अमेरिकी टैरिफ छूट पाने के लिए अमेरिका के साथ अपने खर्च पर व्यापार समझौते करना चाहते हैं। टैरिफ छूट पाने के लिए अमेरिका के साथ विशेष व्यापार सौदे करने से चीन के व्यापारिक संबंध रखने वाले कई देशों को रोकने के लिए एक एहतियाती कदम उठाते हुए, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि

बीजिंग ऐसे समझौतों का दृढ़ता से विरोध करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने एक बयान में ये टिप्पणियां उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कीं, जिनमें कहा गया था कि अमेरिका टैरिफ छूट के बदले में चीन के साथ व्यापार संबंधों को प्रतिबंधित करने के लिए अन्य देशों पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है।

चीन ने अमेरिका से ट्रेड डील पर चेताया

चीन ने अमेरिका से कारोबारी समझौता करने वाले देशों को चेताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि हम उन देशों का विरोध करते हैं, जो अमेरिका के साथ ऐसे समझौते कर रहे हैं, जिनसे चीन को नुकसान हो सकता है। अगर ऐसे कदम से चीन के हित प्रभावित होते है, तो कठोर जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। ऐसी खबरें हैं कि अमेरिका चीन के साथ व्यापार सीमित करने का दबाव बना सकता है।

अब ट्रंप ने कहा, नहीं चलेगी धोखाधड़ी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ से जुड़ी धोखाधड़ी के 8 बिंदु गिनाए और चेताया कि जो देश इन्हें लागू करेंगे, उनसे रिश्ते खराब हो सकते हैं। इन बिंदुओं में करसी का मूल्य गिराना शामिल है, जिससे कि उनके निर्यात अमेरिका में टैरिफ के बावजूद प्रतिस्पर्धी रहें, जबकि उनके बाजार में अमेरिकी चीजें महंगी हों। आयात पर वैट, निर्यात पर सब्सिडी देना, दूसरे देश में सामान डंप करना भी इन बिंदुओं में शामिल हैं।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा, खाई में गिरी वैन; 16 लोगों की मौत, 30 घायल

दक्षिणी पाकिस्तान में एक तेज रफ्तार वैन खाई में गिर गई। हादसे में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। 30 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना सोमवार को सिंध प्रांत के जमशोरो जिले में हुई। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना पहाड़ी क्षेत्र में उस वक्त हुई, जब वैन के चालक ने तेज गति के कारण वाहन पर नियंत्रण खो दिया और वैन खाई में गिर गई। वैन पंजाब प्रांत के लापारी से सिंध प्रांत के बादिन जा रही कोल्ही जनजाति के सदस्यों को ले जा रही थी। पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और मृतकों और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डिप्टी कमिश्नर गजनफर कादरी ने बताया कि वैन में मजदूर सवार थे, जो बलूचिस्तान में गेहूं की कटाई का काम पूरा करके घर लौट रहे थे।

मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है

सूत्रों के अनुसार, मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है और कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पाकिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम बात हैं। पाकिस्तान में घातक यातायात दुर्घटनाओं के मामले में दुनिया के सबसे खराब रिकॉर्ड हैं। इसके लिए खराब सड़कें, खराब रखरखाव वाले वाहन और लापरवाही से गाड़ी चलाना बड़े कारण हैं।

आव्रजन एजेंट रिकर्स द्वीप जेल में नहीं कर सकेंगे काम, न्यायाधीश ने न्यूयॉर्क के मेयर के आदेश पर लगाई रोक

न्यूयॉर्क। संघीय आव्रजन एजेंट अब रिकर्स द्वीप जेल परिसर से काम नहीं कर सकेंगे। न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश ने मेयर एरिक एडम्स की ओर से आव्रजन एजेंटों को दी गई अनुमति पर अस्थायी रोक लगा दी है। एरिक एडम्स के आदेश के खिलाफ दायर मुकदमे पर 25 अप्रैल को सुनवाई होनी है। इससे पहले लिखित आदेश में न्यायाधीश मैरी रोसाडो ने मेयर को संघीय सरकार के साथ किसी भी समझौता ज्ञापन पर बातचीत, हस्ताक्षर या कार्यान्वयन की दिशा में कोई भी कदम उठाने से रोक दिया। न्यूयॉर्क मेयर एरिक एडम्स ने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और अन्य संघीय एजेंसियों को जेल परिसर में कार्यालय बनाए रखने की अनुमति दी थी। इसके खिलाफ न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने न्यायालय में मुकदमा दायर करके कार्यकारी आदेश को रोकने की मांग की है। मुकदमे में डेमोक्रेट एडम्स पर न्याय विभाग द्वारा उनके खिलाफ आपराधिक आरोपों को वापस लेने के बदले में ट्रंप प्रशासन के साथ भ्रष्ट सौदेबाजी में प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है।

इस मुकदमे की सुनवाई 25 अप्रैल को होनी है। मुकदमे में कहा गया है कि जेल परिसर में आव्रजन एजेंटों और अन्य संघीय एजेंसियों की मौजूदगी उन्हें गिरोह और नशीली दवाओं से संबंधित जांच में सहायता करने की अनुमति देगी, लेकिन नागरिक आव्रजन प्रवर्तन में उनकी कोई भूमिका नहीं होगी। वहीं एडम्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि सुनवाई से पहले शहर ट्रंप प्रशासन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पोप फ्रांसिस को वेटिकन में क्यों नहीं दफनाया जाएगा ?

पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वे 12 साल तक रोमन कैथोलिक चर्च के नेता रहे। इस निधन से पूरी दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। पोप के निधन से सदियों पुरानी रीति–रिवाजों और परंपराओं की शुरुआत हुई, जिसका समापन एक सम्मेलन से हुआ। यह सम्मेलन चर्च के मौजूदा 135 कार्डिनल इलेक्टर्स का एक समूह था, जिन्हें अगले पोप का चुनाव करने के लिए सिस्टिन चौपल के अंदर बंद कर दिया गया था। पोप फ्रांसिस के निधन पर दुनिया भर से श्रद्धांजलि दी जा रही है। फ्रांसिस अपनी विनम्रता और गरीबों के प्रति चिंता के लिए जाने जाते थे। रोमन कैथोलिक चर्च के 88 वर्षीय प्रमुख ने परंपरा से हटकर अपने 12 साल के पोप पद को चिह्नित किया। उनका अंतिम संस्कार पोप की अंतिम इच्छा को दर्शाता है कि वे मानदंडों से हटकर एक साधारण समारोह करें। जब स्वर्गीय पोप फ्रांसिस मार्च 2013 में कैथोलिक चर्च के नेता के रूप में अपना पहला भाषण देने के लिए सेंट पीटर्स बेसिलिका की बालकनी में आए, तो उन्होंने औपचारिकता को दरकिनार करते हुए नवनिर्वाचित पोपों द्वारा आमतौर पर पहने जाने वाले शाही एर्मिन–ट्रिम किए गए केप के बजाय साधारण सफेद वस्त्र पहन लिए।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार अलग क्यों होगा

पोप का अंतिम संस्कार आम तौर पर कई दिनों तक चलने वाला एक विस्तृत कार्यक्रम होता है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, यह सेंट पीटर बेसिलिका के बाहर विशाल प्लाजा, सेंट पीटर स्क्वायर में उनके निधन के चार से छह दिनों के बीच होना चाहिए। डेली मेल के एक लेख के अनुसार, पोप के कैमरलेंगो, कार्डिनल केविन फैरेल द्वारा आधिकारिक तौर पर मृत्यु की पुष्टि करने के बाद, उन्होंने पोप के निवास को सील कर दिया और अंतिम संस्कार की तैयारियाँ शुरू कर दीं। कैमरलेंगो ने पोप की रिंग ऑफ द फिशरमैन को नष्ट कर दिया, जिसमें सेंट पीटर को नाव से मछली पकड़ते हुए दिखाया गया है, ताकि किसी भी अनधिकृत उपयोग को रोका जा सके। अगले पोप के चुने जाने पर एक नई रिंग बनाई

जाती है। फैरेल और तीन नियुक्त सहायक यह तय करेंगे कि पोप के शव को ताबूत में रखकर सार्वजनिक दर्शन के लिए सेंट पीटर बेसिलिका में कब ले जाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय नेताओं सहित दुनिया भर के लोगों के फ्रांसिस को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए रोम आने की उम्मीद है। वेटिकन द्वारा घोषित नौ दिनों के शोक में से, कई दिन आमतौर पर शोक मनाने वालों को सेंट पीटर बेसिलिका में लेटे हुए पोप का सम्मान करने का मौका देते हैं। पिछले साल, पोप फ्रांसिस ने पोप के अंतिम संस्कार की रस्मों को सरल बनाया था, जिसमें सेंट पीटर बेसिलिका में पोप को एक ऊंचे ताबूत में रखना शामिल था। इसके बजाय, उन्हें सार्वजनिक दर्शन के लिए एक साधारण ताबूत में रखा जाएगा। इस सरलीकरण का मतलब है इस बात पर और भी ज़ोर देना कि रोमन पोप का अंतिम संस्कार एक चरवाहे और मसीह के शिष्य का है, न कि इस दुनिया के किसी शक्तिशाली व्यक्ति का, वेटिकन के धार्मिक समारोहों के मास्टर, मोनसिग्नोर डिएगो रवेली को पिछले साल एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा यह कहते हुए उद्धृत किया गया था।

पोप फ्रांसिस को कहाँ दफनाया जाएगा?

पोप फ्रांसिस ने सरू, सीसा और ओक से बने तीन ताबूतों को हटा दिया है, जिनमें पिछले पोपों को दफनाया गया था। फ्रांसिस को एक साधारण लकड़ी के ताबूत में रखा जाएगा, और शोक मनाने वाले लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकते हैं, जबकि उनका शरीर खुले ताबूत के अंदर रहेगा, बीबीसी ने बताया। पोप के दफन की तारीख कार्डिनल्स तय करते हैं। वेटिकन ग्रोटोज़ के बजाय, सेंट पीटर के नीचे स्थित वाल्ट, जहाँ आमतौर पर पोप को दफनाया जाता है, फ्रांसिस का अंतिम विश्राम स्थल रोम में सेंट मैरी मेजर के बेसिलिका में है। यह पहली बार है जब एक सदी से भी अधिक समय में किसी पोप को वेटिकन के बाहर दफनाया जाएगा। एपी ने उल्लेख किया कि सांता मारिया मैगीगोर के बेसिलिका में दफन होने की उनकी इच्छा वहाँ स्थित वर्जिन मैरी के प्रतीक, सैलस पॉपुली रोमानी (रोम के लोगों का उद्धार) के प्रति उनकी श्रद्धा को दर्शाती है। वेटिकन विश्लेषक कैटी मैकग्राडी ने सीएनएन को बताया, ष्यह वह जगह है जहाँ सैलस पॉपुली रोमानी, उनकी पसंदीदा मैरियन छवि रखी गई है और हमारी लेडी की वह छवि, पोप फ्रांसिस हर यात्रा से पहले जाते थे और अपनी वापसी पर इसे देखने जाते थे।ष फ्रांसिस ने पहली बार दिसंबर 2023 में बेसिलिका में दफन होने की अपनी इच्छा का खुलासा किया था, उन्होंने कहा कि उन्हें इसके साथ बहुत मजबूत संबंधष महसूस होता है। उन्होंने कहा, ष्मैं सांता मारिया मैगीगोर में दफ़न होना चाहता हूँ। क्योंकि यह मेरी महान भक्ति है। इस जगह के महत्व को देखते हुए, नेशनल कैथोलिक रिपोर्टर के वेटिकन संवाददाता क्रिस्टोफर व्हाइट ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को बताया, ष्यह एक चर्च है जो उनके बहुत करीब है। पोप बनने से पहले वे रोम की अपनी यात्राओं के दौरान वहाँ जाते थे और प्रार्थना करते थे। यह बिल्कुल उचित है कि 2013 में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में चुने गए इस व्यक्ति ने वेटिकन के बाहर दफ़न होना चुना है। उन्हें वेटिकन की बेड़ियों में जकड़ना पसंद नहीं था। वे अक्सर कहते थे कि जब वे यात्रा करते थे तो वे अपने सबसे स्वतंत्र समय पर होते थे क्योंकि वे वेटिकन को एक जेल की तरह देखते थे। इसलिए यह पूरी तरह से समझ में आता है कि वे वेटिकन की दीवारों के बाहर कहीं अपने शाश्वत विश्राम के लिए जाना चाहते हैं।

कनाडा में काम कर गया कार्नी का ट्रंप कार्ड ? लिबरल को आ सकती है 200 सीटें

कनाडा में 28 अप्रैल को संघीय चुनाव होने वाले हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की अगुवाई वाली लिबरल पार्टी मौजूदा जनमत सर्वेक्षणों में आगे चल रही है। पीएम ने मतदाताओं से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ धमकी से निपटने के लिए उन्हें एक मजबूत जनादेश देने का आह्वान किया है। 12 फरवरी को पीएम ट्रूडो के इस्तीफा देने से समीकरण बदल गए। कार्नी को लिबरल पार्टी और देश की बागडोर संभालने का मौका मिला। वे एक पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं जिनका कोई राजनीतिक अनुभव नहीं है। लेकिन, ट्रम्प के टैरिफ वॉर के बीच उन्होंने जिस तरह मोर्चा संभाला, उससे चलते 26 अंक से पिछड़ रही लिबरल पार्टी 6 अंकों की बढ़त में आ गई। कार्नी ने कहा है कि कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी और अपनी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से सुधारना होगा।

ट्रंप से निपटने के लिए

मजबूत जनादेश का आह्वान

प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के अटलांटिक प्रांत के शार्लोटटाउन में एक अभियान कार्यक्रम के दौरान, पीएम कार्नी ने कहा हमें एक ऐसी सरकार चाहिए जिसके पास एक मजबूत जनादेश हो, एक स्पष्ट जनादेश हो। हमें एक ऐसी सरकार चाहिए जिसके पास एक ऐसी योजना हो जो इस समय की जरूरतों को पूरा करे। 2025 की शुरुआत में ट्रूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल्स का समर्थन कम हो गया और आधिकारिक विपक्षी कंजर्वेटिव 20 अंक आगे हो गए। लेकिन पीएम मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी के नए नेतृत्व ने हालात बदल दिए हैं।

क्या कह रहे हैं सर्वे

21 अप्रैल को जारी किए गए तीन दिवसीय नैनोस पोल में लिबरल पार्टी 43.7: जन समर्थन के साथ आगे निकल गई है, जबकि कंजरवेटिव 36.3: के साथ पीछे चल रहे हैं। फिर, वामपंथी न्यू डेमोक्रेट्स, जो लिबरल पार्टी के सेंटर–लेफ्ट वोटों के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी भी हैं, 10.7: पर पीछे हैं। यदि ये संख्याएं बरकरार रहती हैं, तो मार्क कार्नी प्रधानमंत्री बने रहेंगे क्योंकि लिबरल्स हाउस ऑफ कॉमन्स में 343 सीटों के बहुमत के साथ अपनी सरकार बना लेंगे। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को कम से कम 172 सीटें चाहिए। मौजूदा चुनावी सर्वे में दावा है कि कार्नी की लिबरल पार्टी 200 सीटें जीत सकती है।

8 लाख भारतीयों के पास वोटिंग का अधिकार

कनाडा में 20 लाख भारतवंशी रहते हैं। इनमें से 8 लाख के पास वोटिंग का अधिकार है, जो किसी भी पार्टी के लिए अहम हैं। भारतीयों के लिए अप्रवासन, आसान वीजा प्रक्रिया और शिक्षा प्रमुख मुद्दे हैं। सत्ताधारी लिबरल पार्टी और पीएम कार्नी ने भारत से मजबूत संबंध, तेज वीजा प्रोसेसिंग और अंतरराष्ट्रीय छात्र कार्यक्रमों का समर्थन किया है, जो भारतीयों के लिए फायदेमंद हैं। ब्रैम्पटन के एक अप्रवासन वकील रोहन सिंघला कहते हैं श्कार्नी ने मौजूदा प्रवासी नीति को जारी रखने का संकेत दिया है। वहीं, विपक्षी कंजरवेटिव नेता पियरे पोइलिवरे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की तरह एक सख्त इमिग्रेशन नीति के पक्षधर हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ीं मुश्किलें, फंडिंग रोकने की धमकी पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक और फैसले को चुनौती दी गई है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मैसाचुसेट्स की संघीय अदालत में ट्रंप की फंडिंग रोकने की धमकी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष एलन गार्बर ने ट्रंप प्रशासन पर अनुचित नियंत्रण लगाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लिए स्वीकृत 2.2 अरब डॉलर की अनुदान और 60 मिलियन डॉलर (लगभग 500 करोड़ रुपये) के अनुबंध

को रोक दिया था। इसके बाद ट्रंप ने कहा था कि अगर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी राजनीतिक, वैचारिक और आतंकवाद समर्थित विचारों को बढ़ावा देता रहा, तो उसकी टैक्स छूट खत्म कर दी जाएगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अगर हार्वर्ड इसी तरह चलता रहा, तो उसे राजनीतिक संस्था मानकर टैक्स लगाया जाना चाहिए।

सरकार की कार्रवाई के परिणाम बेहद गंभीर होंगे

हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि सरकार की कार्रवाई के परिणाम बेहद गंभीर होंगे। एक यहूदी और अमेरिकी के रूप में मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि बढ़ती यहूदी विरोधी भावना के बारे में वैध चिंताएं हैं। सरकार को हम किसे नियुक्त करते हैं और किसे पढ़ाते हैं इस पर नियंत्रण लगाने की बजाय कानूनी रूप से विवि से जुड़ने की जरूरत है। मैसाचुसेट्स की संघीय अदालत में दायर मुकदमे में ट्रंप प्रशासन पर हार्वर्ड में अकादमिक निर्णय लेने पर नियंत्रण पाने के लिए लाभ उठाने के रूप में व्यापक हमला करने का आरोप लगाया गया है। इसमें कई ऐसे विवि के नाम दिए गए हैं, जिनकी फंडिंग रोकी गई है।

ट्रंप प्रशासन ने क्यों रोकी फंडिंग

ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लिए स्वीकृत 2.2 अरब डॉलर की अनुदान और 60 मिलियन डॉलर (लगभग 500 करोड़ रुपये) के अनुबंध को रोक दिया था। ट्रंप प्रशासन ने 3 अप्रैल को हार्वर्ड को एक निर्देश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि हार्वर्ड को अपने डाइवर्सिटी, इक्विटी और इनक्लूजन (क्म्प्) कार्यालयों को बंद करना होगा। साथ ही यूनिवर्सिटी को अपनी भर्ती और प्रवेश की नीतियों में बदलाव करना होगा और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की इमिग्रेशन स्क्रीनिंग में सहयोग करना होगा।

विवि प्रशासन ने आदेश मानने से किया इनकार

ट्रंप प्रशासन के इस निर्देश को हार्वर्ड ने मानने से इनकार कर दिया। हावर्ड ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम विश्वविद्यालय की संवैधानिक आजादी और संप्रभुता के खिलाफ है। यूनिवर्सिटी ने अपने बयान में कहा कि सरकार की ये मांगें न सिर्फ कानूनी दायरे से बाहर हैं, बल्कि हमारे संस्थान के मूल्यों के खिलाफ भी हैं। कोई भी सरकार यह तय नहीं कर सकती कि हम क्या पढ़ाएं, किसे भर्ती करें या किस विषय पर शोध करें।

अगले पोप के चुनाव में वोट डालेंगे भारत के 4 कार्डिनल्स, जानिए कौन हैं ये

पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह प्रथम लातिन अमेरिकी पोप थे, जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद वेटिकन ने उनकी याद में सेंट पीटर्स स्क्वायर में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया। सेंट

पीटर्स बेसिलिका के मुख्य पादरी कार्डिनल माउरो गैम्बेटी ने सूर्यास्त के समय प्रार्थना सभा का नेतृत्व किया। पोप फ्रांसिस की मृत्यु के बाद, वेटिकन नौ दिनों के शोक की अवधि में प्रवेश करेगा जिसे नोवेन्डियाले के नाम से जाना जाता है। यह एक प्राचीन रोमन परंपरा है, और इस दौरान, अगले पोप के चुनाव की तैयारियाँ चल रही होंगी। शोक अवधि के बाद, एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जहाँ कार्डिनल क्राइस्ट के पादरी का चुनाव करेंगे।

भारतीय कार्डिनल कौन हैं?

एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पोप कॉन्क्लेव में वोट देने के लिए पात्र 135 कार्डिनल्स में से चार भारत से हैं। इनमें कार्डिनल फिलिप नेरी फेराओ, कार्डिनल बेसिलियोस क्लेमिस, कार्डिनल एंथनी पूला और कार्डिनल जॉर्ज जैकब कूवाकड शामिल हैं।

1. कार्डिनल फिलिप नेरी एंटोनियो सेबेस्टियाओ डो रोसारियो फेराओ (72)रू वे गोवा और दमन (भारत) के मेट्रोपोलिटन आर्कबिशप, भारत के कैथोलिक बिशप सम्मेलन के अध्यक्ष और एशियाई बिशप सम्मेलन के संघ के अध्यक्ष हैं।

2. कार्डिनल जॉर्ज जैकब कूवाकड (51)रू वे एस एंटोनियो डि पाडोवा के कार्डिनल–डीकन हैं जो कि सिर्कोनवलाजियोन अप्पिया और अंतरधार्मिक वार्ता के लिए डिकास्टरी के प्रीफेक्ट हैं।

3. कार्डिनल बेसिलियोस क्लेमिस थोट्टुंकलरू वे सिरो–मलंकरा (भारत) के त्रिवेंद्रम के प्रमुख आर्कबिशप और सिरो–मलंकरा चर्च की धर्मसभा के अध्यक्ष हैं।

4. कार्डिनल एंथनी पूला (63)रू वे हैदराबाद (भारत) के मेट्रोपोलिटन आर्कबिशप हैं।

कैथोलिक चर्च के प्रमुख को चुनने की प्रक्रिया

पोप के निधन के साथ ही सदियों पुरानी रस्म शुरू हो गई है, जिसमें उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए कार्डिनल शपथ लेंगे, मतपत्रों की गिनती के बाद इन्हें धागा लगी सुई से छेदा जाता है और फिर उन्हें जलाकर सफेद या काला धुआं निकाला जाता है। इस रस्म का उद्देश्य यह संकेत देना होता है कि विश्व के 1.3 अरब कैथोलिकों के लिए अब एक नया नेतृत्व आ गया है। चुनाव में पूरी गोपनीयता बरती जाती है। मतदान सिस्टिन चौपल के अंदर होता है। सेंट जॉन पॉल द्वितीय ने 1996 के एक दस्तावेज में पोप के चुनाव के नियमों को फिर से लिखा जो अभी भी काफी हद तक लागू है, हालांकि पोप बेनेडिक्ट16वें ने पद से इस्तीफा देने से पहले दो बार इसमें संशोधन किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।